IRB H I5

Bhhlw`r `/171/1/151/17

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-297 | जयपुर, रविवार, 26 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

ईरान ने अमेरिका के सामने रखी बड़ी शर्त, ट्रंप बोले हमारे पास सभी विकल्प

होर्मुज खोलने को तैयार ईरान, कहा- पहले युद्ध खत्म हो, फिर परमाणु समझौते पर बात

अमेरिका बोला- ईरान समझौते को लेकर गंभीर, लेकिन परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ समझौता करने को लेकर गंभीर है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में रूबियो ने कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान मौजूदा संकट से बाहर निकलना चाहता है। हालांकि रूबियो ने यह भी कहा कि कोई भी डील ऐसी नहीं होगी, जिससे ईरान परमाणु हथियार बना सके।

उन्होंने कहा कि ईरान की आर्थिक हालत लगातार खराब हुई है। महंगाई, कर्मचारियों को वेतन देने में दिक्कत और प्रतिबंध अब भी जारी हैं। संघर्ष शुरू होने से पहले ईरान जिन समस्याओं से जूझ रहा था, वे अब भी मौजूद हैं और ज्यादातर पहले से ज्यादा खराब हो चुकी हैं।

रूबियो ने यह भी कहा कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को ईरान का बंधक बनने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। अगर जहाजों को ईरान की अनुमति लेनी पड़े, पैसा देना पड़े या धमकी झेलनी पड़े, तो इसे खुला रास्ता नहीं माना जा सकता।

ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए एक नया प्रस्ताव दिया है। इसमें कहा गया है कि पहले होर्मुज स्ट्रेट को खोला जाए और अमेरिका ईरान पर लगी अपनी समुद्री नाकेबंदी हटा ले। इससे युद्ध खत्म करने का रास्ता बनेगा। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर बातचीत की जाए।

न्यूयॉर्क टाइम्स को यह जानकारी तीन ईरानी अधिकारियों ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यह योजना रविवार को पाकिस्तान को दी। इससे एक दिन पहले ईरान का एक और प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खारिज कर दिया था।

फ्रांस बोला- जंग खत्म करनी है तो ईरान को बड़े समझौते करने होंगे

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि अगर जंग खत्म करनी है तो ईरान को बड़े समझौते करने होंगे और अपना रुख बदलना होगा। न्यूयॉर्क में समुद्री सुरक्षा पर चल रही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में बैरो ने कहा कि मौजूदा संकट का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब ईरान अपनी नीति में बड़ा बदलाव करे और अहम मुद्दों पर रियायत दे। उन्होंने कहा कि छोटे कदमों से यह संकट खत्म नहीं होगा। इसके लिए ठोस फैसले लेने होंगे।

ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे।

ईरान को NPT का उपाध्यक्ष बनाए जाने से अमेरिका नाराज

संयुक्त राष्ट्र में परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने वाली संधि परमाणु अप्रसार संधि (NPT) की समीक्षा बैठक सोमवार से शुरू हो गई है। इस बैठक में दुनिया के 191 देश शामिल हैं और वे यह देखते हैं कि 1970 से लागू इस संधि के नियमों का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं। ऐसी समीक्षा हर पांच साल में की जाती है।

आप के 7 सांसदों को भाजपा में विलय की मंजूरी

राज्यसभा में भाजपा सांसद 106 से बढ़कर 113 हुए

नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद राज्यसभा में AAP की संख्या घटकर 3 रह गई है, जबकि BJP सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है।

जो सात सांसद BJP में शामिल हुए हैं, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इन सांसदों को BJP के सदस्यों के रूप में दिखाया गया है।

AAP ने रविवार को सभापति से सातों सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की थी। संजय सिंह ने भी लेटर लिखकर उन्हें दलबदल कानून के उल्लंघन का दोषी बताते हुए अयोग्य घोषित करने की अपील की।

संजय सिंह के मुताबिक, AAP ने एडवोकेट कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है। कपिल सिब्बल ने कहा था कि संविधान की 10वीं अनुसूची के मुताबिक सबसे पहले पार्टी को प्रस्ताव पास करके दूसरी पार्टी विलय करना पड़ेगा।

राघव चड्ढा बोले- आप चंद करप्ट-कॉम्प्रोमाइज्ड लोगों की पार्टी बनी

आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़ BJP जॉइन करने के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पहला वीडियो जारी किया। राघव चड्ढा ने कहा कि AAP में टॉक्सिक वर्क एन्वॉयरमेंट हो गया था। काम करने-बोलने से रोका जा रहा था। यह पार्टी अब चंद करप्ट और कॉम्प्रोमाइज लोगों के हाथ में फंसकर रह गई है। ये पर्सनल फायदे के लिए काम करते हैं।

राघव ने कहा कि मैं गलत हो सकता हूं लेकिन कुल 7 सांसदों ने पार्टी छोड़ी तो क्या सारे गलत हो गए। इससे पहले भी जिन लोगों ने पार्टी छोड़ी, क्या वह भी गलत हो गए। मैं पार्टी का फाउंडर मेंबर रहा। जिस मकसद से यह पार्टी बनी थी, अब ये वह पार्टी नहीं रही।

केजरीवाल महिला विरोधी हैं: स्वाति मालीवाल

स्वाति मालीवाल ने कहा था कि उन्होंने 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया, हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन बाद में उनके साथ पार्टी में दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर में उनके साथ मारपीट कराई गई और FIR वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर हमला

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। टीएसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया।

जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद कैमरे के सामने मिताली बाग फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी की हालत देखिए। उन लोगों ने बड़े-बड़े पत्थर फेंके। मैं किसी तरह जान बचाकर निकली हूं।

टीएमसी ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। मिताली अभी आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हैं और अभिषेक बनर्जी उनसे मिलने पहुंचे हैं।

युवक की हत्या से गुस्साए ग्रामीणों फूंक डाली बस्ती

रातभर गांव में तनाव, पुलिस ने एंट्री रोकी

बांसवाड़ा

बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में रविवार रात हुए बवाल के बाद आज भी तनाव है। ग्रामीण सोमवार सुबह से ही मोटा गांव थाने में पहुंच रहे हैं। वारदात वाली जगह 4 थानों की पुलिस तैनात है। बांसवाड़ा शहर से रिजर्व फोर्स भी भेजी गई है। बाहर से आने वाले लोगों को गांव में आने से रोका जा रहा है। दरअसल, रविवार रात टामटिया गांव में प्रेम-प्रसंग के विवाद में एक युवक की कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। वारदात से गुस्साए युवक के परिजनों व ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया था। 30 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई, पथराव भी हुआ। जानकारी के अनुसार दोनों पक्ष एक की गांव के अलग-अलग जातियों के हैं। जिस युवक की हत्या हुई है, उसकी बहन और दूसरी पक्ष के युवक के बीच प्रेम-प्रसंग था।

भाई ने पहले भी हमला करने वाले युवक को उसकी बहन से दूर रहने की हिदायत थी। इसी को लेकर दोनों पक्षों में एक अप्रैल को भी विवाद हुआ था। दावा किया जा रहा है कि भाई की टोकाटाकी से नाराज आरोपी ने लड़की के भाई की कुल्हाड़ी से गर्दन काट दी।

गांव के बाहर ही पुलिसवालों को रोका

पुलिस अधिकारियों का दावा है कि हत्या की जानकारी के बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। हालांकि, ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को गांव में नहीं घुसने दिया।

मोटा गांव के थानाधिकारी ने बताया कि हम लोग पहुंचे तो वहां एक घर में आग लगी थी। हमें भी आग बुझाने के लिए रोक दिया गया था। इसके बाद इन्होंने कई घरों में आग लगा दी थी। रास्ते में लकड़ियां रखकर रास्ता भी रोक दिया था।

मुंबई में तरबूज खाने से पति-पत्नी, दो बेटियों की मौत

मुंबई

मुंबई के जे.जे. मार्ग इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की तरबूज खाने से मौत हो गई। मृतकों में अब्दुल्ला अब्दुल कादर (40), उनकी पत्नी नसरिन (35) और उनकी बेटियां जैनब (13) और आयशा (16) शामिल हैं। पुलिस ने फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई है।

पुलिस के मुताबिक, 25 अप्रैल को परिवार ने अपने घर पर एक गेट-टुगेदर पार्टी रखी थी। इसमें कुछ रिश्तेदार आए थे। परिवार ने मेहमानों के साथ बिरयानी खाई थी।

इसके बाद कपल और उनकी दोनों बेटियों ने तरबूज खाया।

इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। सभी को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें जे.जे. अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक के बाद एक चारों परिवार के सदस्यों की मौत हो गई।

पीएम मोदी ने गंगटोक में रोड शो किया

4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

गंगटोक

पीएम मोदी सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंच गए हैं। वे सोमवार दोपहर 3 बजे गंगटोक पहुंचे। जिसके बाद लिबिंग हेलिपैड से गवर्नर हाउस (लोक भवन) तक उन्होंने रोड शो किया। मोदी दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर हैं। कल वे राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 4000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। 16 मई 2025 को सिक्किम को राज्य बने 50 साल पूरे हुए थे। तब पीएम वर्चुअली 50वें स्थापना दिवस समारोह से जुड़े थे। मंगलवार को एक साल से चल रहे समारोह का समापन होगा।पीएम अपने दो दिवसीय दौरे पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, पर्यावरण और कृषि से जुड़ी लगभग 4 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें नामची में 100 बेड का अस्पताल, देओराली में 30 बेड का अस्पताल, तीस्ता नदी पर दो डबल-लेन स्टील पुल और गंगटोक में सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट शामिल हैं।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में सोमवार को एक नए युग की शुरुआत हुई। दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो व्यापार, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाला है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण समझौते को आधिकारिक रूप दिया गया। यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था और

निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजार में एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मानी जा रही है।

इस एफटीए की सबसे खास बात इसकी गति रही है। 16 मार्च, 2025 को शुरू हुई बातचीत को रिकॉर्ड नौ महीनों के भीतर संपन्न कर लिया गया। इस समझौते के लागू होने से भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। इसके परिणामस्वरूप, न्यूजीलैंड को होने वाले शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर अब कोई टैरिफ नहीं लगेगा।

वर्तमान में न्यूजीलैंड द्वारा भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाता था। नए समझौते के तहत यह शुल्क खत्म हो जाएगा, जिससे भारतीय कपड़ा और परिधान, चमड़ा उद्योग, टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन (सिरेमिक्स), कालीन, और वाहन तथा उनके पुर्जों के निर्यात को भारी बढ़ावा मिलेगा। इसके एवज में, भारत ने भी न्यूजीलैंड से आने वाले 95 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ में छूट दी है या उसे कम कर दिया है।

व्यापार सुगमता के साथ-साथ इस एफटीए का एक प्रमुख स्तंभ विदेशी निवेश है। समझौते के तहत, न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह निवेश यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) द्वारा भारत के साथ किए गए समझौते में प्रस्तावित 100 अरब डॉलर के निवेश ढांचे की तर्ज पर ही है।

वहीं, एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के तहत, भारत ने अपने संवेदनशील घरेलू कृषि और डेयरी सेक्टर को इस एफटीए के दायरे से पूरी तरह बाहर रखा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान के पहले दौरे 7 कार्यालयों का किया उद्घाटन

राजनीति 100 मीटर रेस नहीं, शॉर्टकट से बचें: नितिन नवीन

टोंक

बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन आज राजस्थान के पहले दौरे पर हैं। नितिन नवीन ने टोंक में बीजेपी के नवनिर्मित जिला कार्यालय का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही बूंदी, प्रतापगढ़, बाड़मेर, चूरू, डूंगरपुर और पाली जिला कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन और जालोर ऑफिस का वर्चुअल शिलान्यास किया।

नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से कहा- जब मैं पहली बार विधायक बना, तब 2006 में पहली बार राजस्थान आया था।

उन्होंने कहा- कार्यालय वो स्थान होता है, जिसके निर्माण से हमारे अंदर संकल्प की भावना आती है। मैं मानता हूं कार्यालय ईंट और बालू से बना केंद्र नहीं, हमारे संकल्प और विचार का केंद्र होता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए कहा-हमें राजनीति में शॉर्ट कट से बचना है। राजनीति 100 मीटर रेस नहीं है, जहां स्पीड का टेस्ट होता है। ये लॉन्ग रन है, जहां पर स्टेमिना का टेस्ट होता है।

नितिन नवीन बोले- राजस्थान में हमारी सरकार ये सोचती रहती है कि अंतिम पंक्ति तक कैसे योजना पहुंचे। हमें इतिहास याद रखना चाहिए। एक समय था, जब भाजपा दो सांसदों वाली पार्टी थी और लोग हमारा मजाक उड़ाते थे। आज विश्व में सबसे बड़ी पार्टी है। ये दिन इतनी आसानी से नहीं आया है। इसके लिए हमारे कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया और मेहनत की।

इससे पहले, नितिन नवीन सुबह करीब 11 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। लेकिन हेलिकॉप्टर का इंतजाम नहीं होने से करीब ढाई घंटे की देरी से टोंक पहुंचे।

जयपुर एयरपोर्ट पर सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने नितिन नवीन का स्वागत किया।

राजस्थान में गर्मी के बीच बारिश, देश के 7 शहरों में तापमान 46 डिग्री पार

जयपुर

देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा।

अमरावती 46.8 डिग्री, बांदा 46.6 डिग्री, वर्धा और बाड़मेर 46.4 डिग्री, जैसलमेर और यवतमाल 46 डिग्री तापमान के साथ हीटवेव की चपेट में हैं। इस बीच राजस्थान के बीकानेर और गंगानगर में सोमवार को बारिश के साथ ओले गिरे।

यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 डिग्री पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43 डिग्री पर बना हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

बिहार के 8 जिलों में रविवार को पारा 40 डिग्री के पार चला गया। यहां गर्मी से दो मौतों की खबर है। नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में आंधी और बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। ओडिशा में जनगणना के काम में लगे दो शिक्षकों की पिछले दो दिनों में हीटस्ट्रोक से मौत हो गई।

दिल्ली मेट्रो के महिला शौचालय में मिला शव, रोहिणी मेट्रो स्टेशन में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को मेट्रो स्टेशनों पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी। एक ओर जहां रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहली घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:30 बजे बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, बम डिटेक्शन टीम और सीआईएसएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंच गए। पूरे स्टेशन परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह एक फर्जी कॉल थी। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि इस घटना का मेट्रो सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं दूसरी घटना इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि स्टेशन के सुलभ परिसर में स्थित महिला शौचालय अंदर से बंद है और वहां से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक शौचालय का केयरटेकर प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसे आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया जारी है।

केदारनाथ मार्ग पर बारिश में कार खाई में गिरी, 4 लोगों को बचाया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कार 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गुप्तकाशी और गौरीकुंड के बीच जुरानी बैरियर के पास हुई इस घटना में महाराष्ट्र की तीन महिला तीर्थयात्रियों और चालक को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यातायात टीम ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गुप्तकाशी पुलिस थाना, फाटा चौकी और यातायात पुलिस के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद, बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार से चालक समेत सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाई गई महिला तीर्थयात्रियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुषमा, साधना और लता के रूप में हुई है। सभी पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुंबई में पाइप गैस के नाम पर साइबर ठगी : 30 दिन में 100 से ज्यादा लोग ठगे गए, 2.7 करोड़ की चपत

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट और एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं के बीच साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाकर मुंबई में लोगों को निशाना बनाया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पाइप गैस उपभोक्ताओं और नए कनेक्शन के आवेदकों को फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए ठगकर पिछले 30 दिनों में 100 से अधिक लोगों से करीब 2.7 करोड़ रुपये ठग लिए गए हैं। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, ठगों ने लोगों को डराने के लिए 'आज रात कनेक्शन बंद हो जाएगा' जैसे मैसेज भेजे। इसके बाद उन्हें एक लिंक के जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया। यह फाइल असल में एक मालवेयर था, जिससे ठगों को फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता था और वे बैंकिंग जानकारी चुरा लेते थे। साइबर पुलिस के डीआईजी संजय शिंत्रे कहते हैं कि ठग पहले एसएमएस या व्हाट्सऐप पर बिल अपडेट न होने या भुगतान बाकी होने का झूठा मैसेज भेजते थे। फिर खुद को एमजीएल या इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर कॉल करते थे। वे लोगों को 'वेरिफिकेशन' या 'अपडेट' के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे। इसे इंस्टॉल करते ही ठग फोन को कंट्रोल कर लेते थे और ओटीपी सहित बैंक डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद कुछ ही मिनटों में कई ट्रांजेक्शन कर लाखों रुपये उड़ा लेते थे। पीड़ितों में घरेलू सहायकों से लेकर शिक्षक, ड्राइवर, वकील, पत्रकार, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और बुजुर्ग शामिल हैं। उधर महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी संदिग्ध मैसेज के जरिए कनेक्शन बंद करने की धमकी नहीं देता। एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए नहीं कहता और बिल अपडेट के लिए अनजान नंबरों पर कॉल करने को नहीं कहता।

विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने बताए मलेरिया से बचाने के उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी दिक्कत पैदा कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के बता कह कर कहा कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इन बीमारियों को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संगठन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें। इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मलेरिया के आम लक्षण हैं, बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और मतली। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर देर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना।

फंस गए चड्ढा? कपिल सिब्बल ने निकाला पेच, अब उसी पर सियासी चाल चलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) अपने सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब पूरी तरह से आक्रामक और एक्शन मोड में नजर आ रही है। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक धोखा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संकट मान रही है और इसे संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ-साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इन बागी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने घोषणा की है कि वे राज्यसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र लिखकर इन सातों सांसदों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे। संजय सिंह का तर्क है कि यह पूरा घटनाक्रम असंवैधानिक और संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टी की मंशा पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने यानी रिकॉल करने की मांग उठाने की है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय संविधान में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब राघव चड्ढा की अगुवाई में कुल दस में से सात सांसदों ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बागी गुट में अशोक मित्तल, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। बागी गुट का दावा है कि उनके पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए उनका विलय कानूनी रूप से वैध है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ वकीलों का मानना है कि किसी भी विलय के लिए केवल सांसदों की सहमति काफी नहीं होती, बल्कि मूल पार्टी के स्तर पर भी औपचारिक प्रस्ताव आवश्यक है। आम आदमी पार्टी ने इस टूट के पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी नेताओं को डराने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए छापेमारी का सहारा लिया गया है। दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सांसदों की अंतरात्मा की आवाज करार दिया है। अब सभी की निगाहें राज्यसभा अध्यक्ष और राष्ट्रपति के रुख पर टिकी हैं कि वे इस संवैधानिक पेच पर क्या फैसला लेते हैं। यह मामला भविष्य में पंजाब की राजनीति और देश के दल-बदल कानून की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

तेलंगाना-चारमीनार एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जहाँ चारमीनार एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एस-5 कोच से धुएं के साथ आग की तेज लपटें उठने लगीं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी, जिसके चलते किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के दौरान कोच में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

जैसे ही आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं, यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत चेन खींच दी। ट्रेन की गति धीमी होने के बावजूद दहशत में आए कुछ यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही खिड़कियों और दरवाजों से बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते पूरा कोच आग की भट्ठी में तब्दील हो गया था, लेकिन समय रहते ट्रेन रुक जाने से आग अन्य डिब्बों तक नहीं फैल सकी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ट्रेन के कोच से भयावह काला धुआं और लपटें उठती देखी जा सकती हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पूरी जांच के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रेनों में सुरक्षा मानकों और बिजली के रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

भारत को नरक कहने वालों... दिखा असली नरक

-ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गन हिंसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।

कर्नाटक में सियासी हलचल तेज, सीएम बदलने की अटकलों को मिली हवा

दिल्ली में डटे डीके शिवकुमार, बेंगलुरु में सिद्धारमैया की 'सीक्रेट' बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बेंगलुरु में बंद कमरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई।

वहीं दूसरी तरफ, डीके शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली पहुंचे और पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने इस बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे नेताओं को 'करीबी' या 'गैर-करीबी' के आधार पर नहीं आंकते। हालांकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों के बयानों में मतभेद साफ नजर आ रहा है। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी उपचुनाव और सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद पार्टी में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खुद शिवकुमार ने भी संकेत दिए हैं कि 20 मई से पहले कुछ 'अप्रत्याशित घटनाक्रम' देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल, अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है, लेकिन जिस तरह से दोनों खेमे सक्रिय हुए हैं, उससे साफ है कि कर्नाटक की राजनीति आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्माने वाली है।

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के बीच बारिश का रेड अलर्ट, ओलावृष्टि और तूफान की चेतावनी

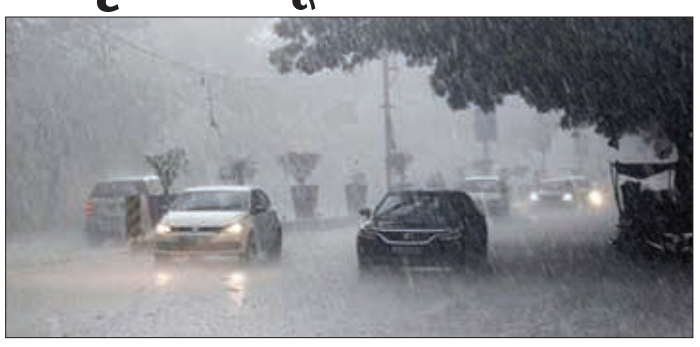

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है, जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दृश्यता कम होने की आशंका है।

पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

क्या महाराष्ट्र में भी ठाकरे गुट के अंदर ऑपरेशन लोटस की हलचल

-आप के अंदर हुई बगावत के बाद सियासी चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल तेज होती दिख रही है, और सवाल उठ रहे हैं कि क्या उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) का भी वहीं हाल होने वाला है, जैसा हाल हाल के समय में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ हुआ है। आप में कई बड़े नेताओं, खासकर राज्यसभा सांसदों के अलग होने की खबरों के बाद अब वैसी ही अटकलें शिवसेना (यूबीटी) को लेकर लग रही हैं।

दरअसल, करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी, जिससे उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद भी गंवाना पड़ा। अब फिर उनके गुट से असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में पार्टी के कुछ सांसदों की गतिविधियों ने इन अटकलों को और हवा दे दी है।

विशेष रूप से संजय जाधव की गैरमौजूदगी ने पार्टी के भीतर सवाल खड़े कर दिए। वे न 'मातोश्री' में हुई महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे और न ही 'सेना भवन' में आयोजित बैठक में शामिल हुए। जाधव मराठवाड़ा क्षेत्र में पार्टी का कदवार चेहरा माने जाते हैं, इसके बाद उनकी अनुपस्थिति को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने जाधव की गैरमाजूदगी को पारिवारिक कारण बताकर स्थिति को सामान्य बताने की कोशिश की है। लेकिन यह उद्धव ठाकरे गुट के लिए अकेला मामला नहीं है। पिछले कुछ महीनों में शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के बीच असंतोष की खबरें आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कामकाज और नेतृत्व से संवाद की कमी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। अरविंद सावंत और अनिल देसाई जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर कई सांसद अन्य राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

इस बीच, कुछ नेताओं की दूसरी पार्टियों के नेताओं से मुलाकातों ने भी शक को बढ़ाया है। जैसे नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय देशमुख ने केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि संजय जाधव की अमित शाह से मुलाकात की खबरें भी सामने आईं। हालांकि इन मुलाकातों को 'शिष्टाचार' बताया गया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इन्हें संभावित रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

फिलहाल, कोई ठोस सबूत नहीं है कि शिवसेना (यूबीटी) में तुरंत कोई बड़ी टूट होने वाली है। लेकिन जिस तरह की गतिविधियां सामने आ रही हैं, उससे यह जरूर साफ है कि पार्टी के अंदर सब कुछ पूरी तरह स्थिर नहीं है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह केवल अटकलें हैं या वास्तव में महाराष्ट्र की राजनीति एक और बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

-प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होर्मुज के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मोलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है।

रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पाबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी सेंध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है। अप्रैल में सऊदी अरब ने चीन को 13.5 लाख बैरल तेल भेजा है, जो यह दर्शाता है कि चीन न केवल रूसी तेल के लिए भारत से मुकाबला कर रहा है, बल्कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर भी अपनी पकड़ बना रहा है, जिससे भारत के लिए चुनौती खड़ी गई है।

मांडलगढ़: विधायक के भाई पर जमीन हड़पने और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

सत्ता के रसूख और प्रशासनिक मिलीभगत से जबरन बेदखली की कोशिश का आरोप, पीड़िता ने मानवाधिकार व महिला आयोग में लगाई गुहार

स्मार्ट हलचल|मांडलगढ़

जिले के मांडलगढ़ उपखंड में सत्ता के रसूख और प्रशासनिक मिलीभगत से जमीन हड़पने और धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। होडा गांव की एक महिला ने स्थानीय विधायक गोपाल खंडेलवाल के भाई सहित चार लोगों पर उसकी पुश्तैनी जमीन हथियाने और जबरन बेदखल करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पुलिस ने पीड़िता सुशीला (पुत्री पन्नानाथ) की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) और 318(4) के तहत एफआईआर (संख्या 0097/2026) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक फूलचंद मीणा को सौंपी गई है। नामजद आरोपियों में विधायक के भाई शोभागचन्द्र खण्डेलवाल (निवासी होडा), कमलेश, हेमराज और महिपाल सिंह (निवासी अमरतीया) शामिल हैं।

पिता की वसीयत दरकिनार, विधायक के भाई ने खरीदी विवादित जमीन

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता सुशीला ने बताया कि मौजा होडा स्थित आराजी नंबर 138 (18 बिस्वा) में उसके पिता का 1/4 हिस्सा था। पिता ने अपनी स्व-अर्जित संपत्ति की रजिस्टर्ड वसीयत सुशीला के नाम की थी, जिस पर बहनों के भी बतौर गवाह हस्ताक्षर हैं। आरोप है कि पिता की मृत्यु के बाद त्रुटिवश जमीन का नामांतरण माता और बहनों के नाम हो गया, जबकि मौके पर कब्जा सुशीला का ही है।

सुशीला ने खातेदारी अपने नाम करवाने के लिए उपखंड अधिकारी मांडलगढ़ के न्यायालय में दावा पेश कर रखा है, जो अभी विचाराधीन है। आरोप है कि इस अवैध इंद्राज का फायदा उठाकर माता और बहनों ने यह भूमि विधायक के भाई शोभागचन्द्र खण्डेलवाल को बेच दी।

रजिस्ट्री में बड़ा फर्जीवाड़ा: इकरार किसी और जमीन का, रजिस्ट्री दूसरी की

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मौजा खाचरोल की आराजी खसरा संख्या 1352/1167 में से 5 बिस्वा जमीन बेचने का सौदा राजभंवर सिंह के साथ 12.50 लाख रुपये में तय हुआ था। इकरारनामे के बाद उसे 3.50 लाख रुपये दिए गए।

आरोप है कि राजभंवर के कहने पर उसने कमलेश के नाम रजिस्ट्री की, लेकिन कमलेश ने उसे अंधेरे में रखकर धोखे से आराजी नंबर 1352/1167 के बजाय आराजी नंबर 1028 में सुशीला के 1/2 हिस्से की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। इसके बाद कमलेश ने शेष 9 लाख रुपये भी नहीं चुकाए। बाद में कमलेश ने अवैध लाभ कमाने के लिए यह भूमि हेमराज को बेच दी और हेमराज ने महिपाल को बेच दी। अब आरोपी महिपाल बिना बकाया 9 लाख रुपये चुकाए उस जमीन (आराजी 1028) पर कब्जा लेना चाहता है, जिसका 1/2 हिस्सा अभी भी सुशीला के कब्जे में है।

प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव और झूठे मुकदमों की धमकी

प्राथमिकी में सबसे गंभीर आरोप स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर लगाए गए हैं। पीड़िता का कहना है कि आरोपी शोभागचन्द्र और महिपाल सिंह स्थानीय विधायक के राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर प्रशासनिक अधिकारियों (एसडीओ और तहसीलदार मांडलगढ़) पर दबाव बना रहे हैं।

आरोप है कि तहसीलदार, गिरदावर और पटवारी बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश के पुलिसकर्मियों को साथ लेकर आते हैं और सुशीला पर कब्जा छोड़ने का दबाव बनाते हैं। विरोध करने पर उसे झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की धमकियां दी जा रही हैं।

आयोगों में शिकायत, पुलिस से मांगी सुरक्षा

लगातार मिल रही धमकियों और प्रशासनिक दबाव से परेशान होकर पीड़िता ने महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जब तक न्यायालय और आयोगों से विचाराधीन मामलों का निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक उसे बाहुबल और पाशविक बल से उसकी जमीन से जबरन बेदखल न किया जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

पुष्कर में 45 दिन में मिल रहा गैस सिलेंडर

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा, विधायक-मंत्री से 25 दिन में बुकिंग की मांग...

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर/तीर्थनगरी पुष्कर में रसोई गैस का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। लोगों को सिलेंडर बुक करने के 45 दिन बाद गैस मिल रही है। घरों में चूल्हे बंद पड़े हैं। महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं।

गैस न मिलने से परेशान लोग अब फेसबुक और व्हाट्सएप पर अपना दर्द बता रहे हैं। लोग लिख रहे हैं- कि पुष्कर को ग्रामीण एरिया माना गया है, इसलिए यहां 45 दिन बाद नया सिलेंडर बुक होता है। जबकि शहरी एरिया में 25 दिन में बुकिंग हो जाती है। लोगों की मांग है कि हमारे विधायक-मंत्री 45 दिन की सीमा को 25 दिन करवाएं तो जनता को राहत मिलेगी।

विधायक से सीधी गुहार

एक यूजर ने लिखा- 'सेवा में श्रीमान विधायक साहब पुष्कर, निवेदन है कि गैस की बहुत परेशानी हो रही है। आपसे प्रार्थना है कि 45 दिन की बुकिंग को 30 दिन में चालू करवाने की कृपा करें।'

ब्यावर पुलिस की बड़ी कामयाबी: हत्या की साजिश रचने वाला मुख्य आरोपी 4 किमी पीछा कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला स्पेशल टीम और ब्यावर सदर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सिद्धार्थ पंडित की हत्या की साजिश रचने के मामले में फरार चल रहे शातिर बदमाश पवनसिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त लग्जरी वाहन भी जब्त किया है।

कंटीली झाड़ियों में नंगे पांव भागा आरोपी

पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत छ्रस' को सूचना

मिली थी कि आरोपी पवनसिंह अपने गांव जसवंतपुरा नाडी आया हुआ है। पुलिस टीम ने जब दबिश दी, तो आरोपी पुलिस की भनक लगते ही नंगे पांव कंटीली झाड़ियों की ओर भाग निकला। पुलिस टीम ने हार नहीं मानी और करीब 3-4 किलोमीटर तक पीछा कर आरोपी को दबोच लिया।

सिद्धार्थ पंडित की हत्या की थी योजना

उल्लेखनीय है कि 12 मार्च 2026 को पुलिस ने कृतिका रोड लाइन्स के ऑफिस में दबिश देकर 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। ये सभी बदमाश हथियार लेकर सिद्धार्थ पंडित की हत्या करने की योजना बना रहे थे। उस दौरान पवनसिंह सहित अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस अब तक इस मामले में प्रयुक्त लोहे के पाइप, सरिया, कटार और अवैध पिस्टल बरामद कर चुकी है।

शातिर अपराधी है पवनसिंह

गिरफ्तार आरोपी पवनसिंह (25) के खिलाफ पूर्व में भी लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी पर ब्यावर सिटी, सदर और अजमेर के आदर्शनगर थाने में चार्जशीट फाइल हो चुकी है।

इन अधिकारियों की रही मुख्य भूमिका

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में निम्नलिखित अधिकारी व जवान शामिल रहे:

विजय सिंह (प्रभारी, जिला स्पेशल टीम), गजराज सिंह (थानाधिकारी, ब्यावर सदर), स.उ.नि. इन्द्रसिंह, रामजस, महेश कुमार एवं अन्य जांबाज कांस्टेबल।

वर्तमान स्थिति: पुलिस अब आरोपी से गिरोह के अन्य फरार सदस्यों (मोहम्मद अजरुद्दीन, हमीद, रोमन गुर्जर, सुदर्शन आदि) के ठिकानों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है।

सड़क सुरक्षा पर सख्ती: भीलवाड़ा में अवैध कट-ब्रेकर हटेंगे, ओवरलोडिंग व नो-पार्किंग पर कड़ा एक्शन

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बड़े फैसले, ब्लैक स्पॉट सुधार से लेकर गुड सेमेरिटन योजना के प्रचार पर जोर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए, जिनका उद्देश्य दुर्घटनाओं में कमी लाना और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

बैठक में सदस्य सचिव एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता खेमचंद मीणा ने पिछली बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद नेशनल व स्टेट हाईवे पर बने अवैध कट और स्पीड ब्रेकर को हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में 65 शराब दुकानों की सूची तैयार कर अवैध संचालन पर कार्रवाई के निर्देश भी आबकारी विभाग को दिए गए।

शहरी क्षेत्र के 9 और राष्ट्रीय राजमार्गों के 23 ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर सुधार कार्य कराने और भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक लाइट, जेब्रा क्रॉसिंग, रोड लाइनिंग और सौंदर्यीकरण के कार्य जल्द पूरे करने के निर्देश दिए गए।

यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पार्क में छात्र-छात्राओं और आमजन को प्रशिक्षण देने तथा 18 वर्ष से कम आयु के वाहन चालकों पर चालान और अभिभावकों को समझाइश देने की बात कही गई।

गुड सेमेरिटन योजना के प्रचार-प्रसार को लेकर व्यस्त चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और दुर्घटना संभावित स्थलों पर बैनर-पोस्टर लगाने और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में मदद करने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन दिया जाता है।

नो पार्किंग में वाहन खड़े करने, गलत दिशा में वाहन चलाने, ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, चालान और लाइसेंस निलंबन के निर्देश जारी किए गए। साथ ही खनिज परिवहन और अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में यातायात पुलिस की मांग पर हाइड्रोलिक क्रेन जल्द उपलब्ध कराने, सड़कों से निराश्रित पशुओं को हटाने, अतिक्रमण हटाकर चौराहों का सौंदर्यीकरण करने और ओवरलोड वाहनों के प्रवेश का समय निर्धारित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए गए।

प्रशासन के इन सख्त फैसलों से स्पष्ट है कि अब भीलवाड़ा में यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए कोई रियायत नहीं होगी और सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बड़लियास के जंगल में लगी आग

आग को बिना बुझाएं ही लौटी दमकल, टैंकरों व कुओं की मोटरों की मदद से पाया काबू

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के बड़लियास कस्बे में सोमवार दोपहर को जित्या माफी रोड़ पर भैरु घाटी के जंगल में लगी भीषण आग का विकराल रूप देखने को मिला, यहां आग बुझाने पहुंची दमकल की गाड़ी पुरी आग को बुझाने से पहले ही लौट गई, तेज हवा के चलते आग तेजी से आगे फैलने लगी, जिस पर ग्रामीण पानी के टैंकरों व कुओं की मोटरों की मदद से काबू पर बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया । बड़लियास पुलिस का जाप्ता मौके पर तैनात हैं । बड़लियास जित्या माफी दोपहर पर दोपहर करीब 12:30 बजे अज्ञात कारणों के चलते भेरु घाटी के जंगल में आग लग गई, आग लगने से पेड़-पौधे और जनमनी से आग तेजी से आगे फैलने लगी, ग्रामीणों ने पहले अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के चलते तेजी से फैलने लगी, इस पर दमकल विभाग की इसकी सूचना दी, सूचना के करीब दो घंटे बाद भीलवाड़ा से दमकल की एक दमकल की गाड़ी पहुंची, दमकल आग पर काबू पाने लगी, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया, इसी बीच दमकल की गाड़ी वापस लौट गई । इसके बाद ग्रामीण पानी के कुओं व नलकूपों से पानी की मोटरें चलाकर और दो पानी के टैंकरों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद सायं 5 बजे तक आग पर काबू पाया गया, आग करीब 30 बिघा क्षेत्र में फैली थी । आग की चपेट में आने से छोटे-बड़े पेड़-पौधे और जनमनी का पौंधा सहित कई छोटे जंगलिया जीव जंतु जलकर राख हो गए।

ग्रामीण विकास को मिलेगी रफ्तार, हर ग्राम पंचायत पहुंचेगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 28 अप्रैल को होगा ग्राम रथ अभियान का आगाज़

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु ग्राम रथ अभियान (एलईडी रथों) के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंचाई जाएंगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा जिला प्रशासन एवं पंचायती राज विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम रथ अभियान जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंचेगा।

ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में 28 अप्रैल को विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि द्वारा एलईडी रथों को हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है। रथों के व्यवस्थित संचालन एवं मॉनिटरिंग हेतु जिला स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे तथा विधानसभा-वार संबंधित उपखंड अधिकारी उस विधानसभा क्षेत्र के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एलईडी रथों के अंतिम ठहराव स्थल पर प्रतिदिन संध्या चौपाल एवं कला जत्था कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत स्थानीय लोक कलाकारों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सूचना पर आधारित नाटकों का आयोजन किया जाएगा, जिससे अधिकाधिक आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके।

पुलिस का साइबर ठगों पर वार: 'म्युल हंटर' अभियान में 2 आरोपी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पुलिस ने साइबर फ्रॉड गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'म्युल हंटर' अभियान के तहत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना हमीरगढ़ पुलिस ने साइबर अपराधों में लिप्त विष्णु शर्मा और मुकेश शर्मा को दबोचकर नेटवर्क का खुलासा किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे इस विशेष अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन एवं वृताधिकारी हरजीराम आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस मुख्यालय एवं भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र द्वारा संचालित पोर्टल से प्राप्त इनपुट के आधार पर संदिग्ध लोकेशन, एटीएम विदड्रॉल, चेक ट्रांजेक्शन और बैंक खातों का गहन विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान संदिग्ध बैंक खाताधारकों से पूछताछ में साइबर ठगी में संलिप्तता सामने आई।

इस पर थाना हमीरगढ़ में प्रकरण संख्या 65/25 धारा 316(2), 318(4), 61(2)(ए) बीएनएस व 66डी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

विष्णु शर्मा (29) पिता रामप्रसाद शर्मा, निवासी आमली पुरावतान, थाना हमीरगढ़, जिला भीलवाड़ा। मुकेश शर्मा (45) पिता रामचंद्र शर्मा, निवासी आरके कॉलोनी, थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा।

थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विकास यादव, हेड कांस्टेबल विशंभर दयाल, कांस्टेबल राहुल पायला एवं बलवीर की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि साइबर ठगी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाएगा।

गंगापुर में गौवंश की दयनीय स्थिति पर उठे सवाल, जिम्मेदार कौन?

स्मार्ट हलचल|गंगापुर

शहर में निराश्रित गौवंश की लगातार बिगड़ती स्थिति को लेकर नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गौवंश भूखे-प्यासे भटकते हुए कचरा, प्लास्टिक और गंदगी खाने को मजबूर हैं, जिससे उनकी जान पर बन आई है। कई स्थानों पर घायल एवं बीमार गौवंश भी तड़पते नजर आते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब एक ओर गौमाता के संरक्षण और सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, आंदोलन किए जाते हैं, ज्ञापन दिए जाते हैं, तो दूसरी ओर गंगापुर में गौवंश की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? यदि वास्तव में गौसेवा की भावना है तो धरातल पर कार्य दिखाई देना चाहिए।

नागरिकों का कहना है कि शिकायत करने पर समाधान के बजाय शिकायतकर्ताओं को ही नजरअंदाज किया जाता है, जबकि गौवंश की पीड़ा लगातार बढ़ती जा रही है। शहरवासियों ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं गौसेवा संगठनों से मांग की है कि निराश्रित गौवंश को तत्काल सुरक्षित गौशाला पहुंचाया जाए, हरा चारा, पानी एवं चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कचरा स्थलों पर पशुओं के प्रवेश पर रोक लगाई जाए।

गंगापुर के नागरिकों ने कहा कि अब समय आ गया है कि दिखावे की राजनीति छोड़कर वास्तविक सेवा कार्य किए जाएं। शहर का नेतृत्व वही करे जो जनता, गौवंश और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर ईमानदारी से कार्य करे।

जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही की मांग की है।

भूटान में सड़कों का जाल बिछाने, इंफ्रा डेवलपमेंट में भारत का अहम योगदान

स्मार्ट हलचल| थिम्पू

भूटान में सड़कों का जाल बिछाने और उसके बुनियादी ढांचे के विकास में भारत ने अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल भूटान को शेष दुनिया से जोड़ने वाली पहली मोटर योग्य सड़क बनाई, बल्कि दुर्गम पहाड़ी इलाकों में कनेक्टिविटी को आधुनिक रूप देने का काम भी किया है। थिम्पू में भारत के सहयोग से ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक जाने वाली सड़क का उद्घाटन किया गया, जो दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी का हालिया उदाहरण है।

भूटान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा थिम्पू में भारत द्वारा समर्थित एक 'हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' (एचआईसीडीपी) 'ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक फ़ार्म रोड' का उद्घाटन किया गया। ग्रामीण कनेक्टिविटी क्षेत्र का यह प्रोजेक्ट, गेन्येन गेवोग (ब्लॉक) के स्थानीय समुदाय के लिए पहुंच और आर्थिक अवसरों को बेहतर बनाएगा। विशेष रूप से यह स्थानीय कृषि उत्पादों की शहरी बाजारों तक पहुंच को सुगम बनाएगा।

भूटान में सड़क नेटवर्क के विकास में भारत के अतुल्य योगदान को इसी बात से समझा जा सकता है कि बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट दंतक ने हाल ही में भूटान की राजधानी थिम्फू में अपना 66वां स्थापना दिवस मनाया। यह आयोजन भूटान में समर्पित सेवा के 65 वर्षों के मील के पत्थर का प्रतीक है। इस परियोजना की शुरुआत 24 अप्रैल 1961 को हुई थी और तब से लेकर अब तक भारत के सहयोग से पड़ोसी देश में 1,500 किमी से अधिक सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है, जिसमें थिम्फू को त्राशीगांग से जोड़ने वाला रणनीतिक पूर्व-पश्चिम राजमार्ग भी शामिल है।

अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बात करें तो देश में पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और योंगफुला हवाई अड्डे के विकास में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा पड़ोसी देश के प्रमुख शहरों एवं कस्बों से लेकर दूरदराज के गांवों तक अस्पताल, स्कूल, पुल, जलविद्युत बुनियादी ढांचे और दूरसंचार नेटवर्क जैसी राष्ट्रीय सुविधाओं के निर्माण में भी भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है प्रोजेक्ट दंतक के स्थापना दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें थिम्पू में आयोजित एक अंतर-विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विशिष्ट कर्मियों का सम्मान और कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि शामिल है। इस प्रोजेक्ट ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जिसमें बड़े भूस्खलन और सड़कों का बह जाना शामिल है, रिकॉर्ड समय में कनेक्टिविटी बहाल करके असाधारण लचीलापन भी प्रदर्शित किया है।

भारत का योगदान केवल सड़क निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक भी है। क्योंकि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भूटान का 'हर समय और हर क्षेत्र' में हमेशा सहयोगी रहा है।

गौ माता की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

गौ माता की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने एवं गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग को लेकर क्षेत्र के लोगों ने सोमवार को सूरौठ तहसील कार्यालय पहुंच कर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार संजीव धाकड़ को ज्ञापन सौंपा। सूरौठ के पूर्व सरपंच नत्थू सिंह राजावत, आयुर्वेद विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ घनश्याम व्यास, गौ सम्मान अभियान के प्रचारक विश्राम मीणा, राम पंडा, गौरी पंडित सहित काफी संख्या में लोग सुबह 11 बजे के करीब तहसील कार्यालय पहुंचे तथा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सौपे गए ज्ञापन में गौमाता की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए भारत सरकार की ओर से कानून बनाने, गौ पालन मंत्रालय की स्थापना करने एवं गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की गई। ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को भी भेजी गई।

शाहपुरा विस क्षेत्र में विकास की बड़ी समीक्षा बैठक आयोजित

हर गांव में श्मशान घाट बनाने के निर्देश जारी, पानी-बिजली और सड़कों पर अफसरों को सख्ती

विधायक बैरवा बोले- लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा-बनेड़ा के विकास कार्यों को तेज रफ्तार देने के लिए सोमवार को पंचायत समिति शाहपुरा के सभागार में महत्वपूर्ण और उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने की। बैठक में उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों, विकास अधिकारियों, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, जलदाय, चंबल परियोजना, विद्युत विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सरपंच और प्रशासक मौजूद रहे। बैठक में क्षेत्र की जमीनी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। विधायक डॉ. बैरवा ने स्पष्ट कहा कि अब विकास कार्यों में देरी और लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध कार्य प्रणाली अपनाने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

श्मशान घाट नहीं तो तुरंत बनेगा- प्राथमिकता तय

बैठक का मुख्य फोकस उन गांवों पर रहा जहां आज भी श्मशान घाट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। विधायक ने निर्देश दिए कि ऐसे सभी ग्रामों की सूची तैयार कर तत्काल सर्वे किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर श्मशान घाटों का निर्माण शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सुविधा नहीं बल्कि मानव जीवन से जुड़ी संवेदनशील आवश्यकता है, जिसे हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए।

श्मशान तक जाने वाले रास्तों पर भी कार्रवाई-

श्मशान घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों की खराब हालत पर विधायक ने नाराजगी जताई। कई गांवों में लोगों को अंतिम संस्कार के समय कच्चे और दुर्गम रास्तों से गुजरना पड़ता है। इस पर उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी ऐसे मार्गों का सर्वे कर शीघ्र मरम्मत, चैड़ीकरण और जहां जरूरत हो नए मार्गों का निर्माण कराया जाए।

गर्मी में पानी बना बड़ी चुनौती, वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश-

बैठक में पेयजल संकट को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। विधायक ने जलदाय विभाग को सख्त निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी गांव में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। जहां जल संकट गहरा है, वहां टैंकरों के माध्यम से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही नए हैंडपंप, ट्यूबवेल और जल स्रोत विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

बिजली व्यवस्था सुधारने के निर्देश, ट्रांसफार्मर बदलने पर जोर-

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। विधायक ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। खराब ट्रांसफार्मरों को तुरंत बदलने, लाइन फॉल्ट को जल्द ठीक करने और विशेष रूप से श्मशान घाटों व सार्वजनिक स्थलों पर बिजली की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को चेतावनी, काम में लापरवाही नहीं चलेगी

विधायक डॉ. बैरवा ने बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और हर कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जरूरत पड़ने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रगति रिपोर्ट पेश, आगे की योजना तय

बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। आगामी कार्यों के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की गई और प्राथमिकताओं को चिन्हित किया गया।

अंत में विधायक ने सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र को विकास के नए मुकाम तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

गौ सम्मान दिवस पर निकाली भव्य शोभायात्रा, सौंपा गया प्रार्थना पत्र

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। संपूर्ण भारत में चलाए जा रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी राजेश बिश्नोई को प्रधानमंत्री,राष्ट्रपति,मुख्यमंत्री राज्यपाल के नाम से प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें गौ माता को राष्ट्रमाता,गौ हितैषी कानून,गौ चारा निधि,के साथ गौवंश से जुड़ी कई प्रकार की

मांगे रखी गई। गौ सम्मान आह्वान अभियान सहाड़ा तहसील प्रभारी राजेश रांका ने कहा कि सहाड़ा तहसील के सभी गांवों से गौ भक्त यहां शोभा यात्रा में उपस्थित रहे। शोभा यात्रा पंचतीर्थ बालाजी मंदिर से कृष्ण,बलराम की

जीवंत झांकी व गौ नंदी के साथ हरिकीर्तन करते हुए नगर के नृसिंह चौक,भूत बावजी,बस स्टैंड होकर उपखंड कार्यालय पहुंची जहां नृसिंह द्वारा संत श्याम सुंदर दास महाराज , मटूनिया के संत शांतिदास महाराज माझावास नर्सिंग मंदिर के प्रेमदास महाराज कैलाशदास महाराज के साथजीवन्त झांकी बने कृष्ण, बलराम के हाथों से उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया दिया गया। शोभायात्रा के साथ सजी हुई गौ माता,बछड़े साथ-साथ चल रहे थे जो आकर्षण का केंद्र रहे। गंगापुर में बाजार बंद रखकर सभी व्यापारी ने

गौ भक्तों पर पुष्प वर्षा की ।गौ माता को जीने दो दूध की नदियां बहने दो ,गो हत्या बंद करो जैसे जयकारे लगाते हुए गौभक्त शोभायात्रा में चल रहे थे। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ द्वारा शीतल जल कैम्पर सेवा का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल श्री त्रिदेव महादेव मंदिर, कासोरिया रोड कंवलियास में सिखवाल युवा प्रकोष्ठ हुरड़ा-बनेड़ा के तत्वावधान में शीतल जल कैम्पर सेवा का शुभारंभ किया गया।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ द्वारा संचालित 'नर सेवा नारायण सेवा अभियान' के अंतर्गत भीलवाड़ा जिले में पूर्व से ही तीन स्थानों पर शीतल जल सेवा संचालित की जा रही है। इसी क्रम में सेवा कार्य का विस्तार करते हुए मंदिर प्रांगण में इस नवीन कैम्पर सेवा का शुभारंभ किया गया। जानकारी देते हुए

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ जिला मिडिया प्रभारी विनोद सुखवाल कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य पुजारी जगदीश प्रसाद, मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भेरू लाल, सिखवाल युवा प्रकोष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष किशन व्यास एवं जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद पुरोहित के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पुजारी जगदीश प्रसाद एवं ट्रस्ट अध्यक्ष भेरू लाल ने सिखवाल युवा प्रकोष्ठ द्वारा संचालित जनसेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया तथा जनकल्याण की कामना की।

कार्यक्रम में सिखवाल युवा प्रकोष्ठ हुरड़ा तहसील अध्यक्ष गणपत तिवारी, बनेड़ा तहसील अध्यक्ष मुकेश पुरोहित, सदस्य विनोद व्यास सहित अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी का तांडवः शीतल पेय की शरण में आम जन, खेतों में पसीना बहा रहे किसान और गोपालक

स्मार्ट हलचल | बद्री लाल माली

गुरला। राजस्थान में सूरज के तीखे तेवरों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। अप्रैल के महीने में ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। भीषण गर्मी और लू (हिटहेव) के थपेड़ों से बचने के लिए लोग अब जतन करने में जुटे हैं।

शीतल पेय की मांग में भारी उछाल

शहरों और कस्बों के बाजारों में अब सन्नाटा पसरने लगा है, लेकिन ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। लोग गर्मी से राहत पाने के लिए गन्ने का रस, शिकंजी, छाछ, और लस्सी जैसे शीतल पेय का सहारा ले रहे हैं। मिट्टी के घड़ों और सुराहियों की बिक्री भी जोरों पर है, क्योंकि लोग प्राकृतिक रूप से ठंडे पानी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

खेतों में 'फूलों' की खुदाई और किसानों की मशक्कत

भयंकर गर्मी के बावजूद अन्नदाता विश्राम नहीं कर रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों, विशेषकर गुरला भीलवाड़ा जैसे क्षेत्रों में किसान अब पारंपरिक फसलों के साथ-साथ फूलों की खेती पर जोर दे रहे हैं।

किसान वर्तमान में फूलों की फसल की खुदाई और देखरेख में लगे हुए हैं। बढ़ते तापमान के कारण फूलों के पौधों के झुलसने और कीटों के प्रकोप का खतरा बढ़ गया है। किसान मल्चिंग और नियमित सिंचाई के जरिए अपनी मेहनत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गोपालकों के सामने खाखला प्रबंधन की चुनौती

पशुपालकों (गोपालकों) के लिए यह समय परीक्षा की घड़ी जैसा है। गर्मी के कारण हरे चारे की कमी होने लगी है, जिससे पशुओं के लिए खाखला (सूखा चारा) का प्रबंधन अनिवार्य हो गया है। स्टॉक की चिंताः गोपालक आने वाले महीनों के लिए खाखला और तूड़ी का स्टॉक करने में जुटे हैं ताकि चारे के संकट से बचा जा सके। सावधानीः पशुपालन विभाग ने भी एडवाइजरी जारी कर पशुओं को छायादार स्थानों पर रखने और उन्हें दिन में 3-4 बार ठंडा पानी पिलाने की सलाह दी है। भीषण गर्मी में फसलों और पशुओं की सुरक्षा के लिए इन विशेषज्ञों की सलाह देखें: पशु चिकित्सा गुरला पशुधन सहायक मनिषा राठोड़

गौमाता को राष्ट्रमाता की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तहत वीर तेजाजी महाराज गौशाला सेवा समिति जीवा का खेड़ा ने गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने और देश में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की पुरजोर मांग उठाई है । सोमवार को इस अभियान के तहत वीर तेजाजी महाराज गौशाला सेवा समिति जीवा का खेड़ा के तत्वावधान में बड़लियास नायब तहसीलदार मदनलाल शर्मा को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में बताया कि हम समस्त गौ भक्त गौरक्षा एवं इस ज्ञापन के माध्यम से आपका ध्यान गौमाता की दुर्दशा और उनके सम्मान की और आकर्षित करना चाहते है । जिसमे गौमाता केवल एक पशु ही नहीं बल्कि हमारे धर्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक जीवन का आधार है । सभी देवताओं का निवास इसमें माना है । गौमाता को राष्ट्रमाता का औपचारिक दर्जा प्रदान किया कि जाये । हर ग्राम पंचायत में गौशाला की स्थापना हो जहां बे सहारा गायों की सुरक्षा व चारे की सुचारू व्यवस्था हो । हर ग्राम पंचायत में गौशाला हेतु राज्य सरकार द्वारा जमीन का आवन्टन किया जाना चाहिये ।

इस दौरान प्रधान जाट, शोभा लाल जाट, बन्ना लाल जाट, सत्यनारायण गाडरी, शोभा लाल तेली, प्रभु तेली, मनोज जाट, शैतान जाट, सोनु जाट, नारायण जाट, बद्री जाट, रामकुमार जाट, दिनेश बलाई, देवबक्ष बलाई आदि कई मौजूद रहे।

हरनावदाशाहजी में जाम से निपटने के लिए ग्राम पंचायत सख्त, अतिक्रमण हटाने की दी सख्त समझाइश

स्मार्ट हलचल | हरनावदाशाहजी

कस्बे में लगातार बढ़ती जाम की समस्या को लेकर अब ग्राम पंचायत एक्शन मोड में नजर आ रही है। कस्बे के मुख्य बाजार और प्रमुख मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए ग्राम पंचायत ने व्यापारी वर्ग को सख्त समझाइश देते हुए सड़क से अतिक्रमण हटाने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार, कई दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर सड़क तक सामान फैलाकर अतिक्रमण कर रहे हैं, जिससे पहले से ही दबाव झेल रहे मार्ग और अधिक संकरे हो गए हैं। नतीजतन, दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों मेला मैदान

स्थित बायपास निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसके चलते वैकल्पिक मार्ग बंद है। ऐसे में विवेकानंद सर्किल, मनोहरथाना मार्ग और छीपाबड़ौद मार्ग पर यातायात का दबाव अचानक बढ़ गया है। यही कारण है कि कस्बे में बार-बार जाम के हालात बन रहे हैं और स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्राम विकास अधिकारी देवलाल नागर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत टीम ने बाजार क्षेत्र का दौरा किया। टीम ने एक-एक दुकानदार से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर सड़क पर रखे सामान को हटाने की समझाइश दी और भविष्य में अतिक्रमण नहीं करने की अपील की। पंचायत ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो आगामी दिनों में प्रशासनिक कार्रवाई भी की जा सकती है। देर शाम पुलिस विभाग ने पहुंच दुकानदार को सड़क पर सामान नही रखने की समझाइश की है। इस दौरान पुलिस टीम ने एक एक दुकान पर पहुंच दुकानदारो को समझाया। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि व्यापारी वर्ग और प्रशासन मिलकर प्रयास करें, तो जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

मोहिनी एकादशी स्नान के साथ ही पंचतीर्थी स्नान शुरू

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। धार्मिक नगरी पुष्कर के पवित्र सरोवर में पावन वैशाख माह का पंचतीर्थ स्त्रान सोमवार को मोहिनी एकादशी स्नान के साथ शुरू हो गया।

हजारों श्रदालुओं ने पवित्र पुष्कर सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य कमाया है ।ब्राह्मणों और गायों को दान पुण्य किया। भीषण गर्मी के बावजूद सरोवर के घाटों पर श्रध्दालु की भीड़ उमड़ने लगी। मुख्यतः गऊ घाट पर भीड़ रही रावत समाज की महिलाओं का हुजूम एक दूसरे से मिलकर अपनी भावनाओं को प्रकट करते दिखा। ब्रह्मा मंदिर में भी लंबी लंबी कतारें देखने को मिली।

बताया जाता है कि भगवान विष्णु ने आज ही के दिन मोहिनी रूप धरा था इसलिये इसे मोहिनी एकादशी कहा जाता है।। आज के दिन पवित्र सरोवर में स्नान का विशेष महत्व है और हजारों गायों के दान के बराबर पुण्य मिलता है । वहीं हिन्दू शास्त्रों मे जितना महत्व कार्तिक पंचतीर्थी का है उतना ही महत्व वैशाख पंचतीर्थी का भी है। 12 महिनों में वैशाख मास को श्रेष्ठ माना गया है। इसी के चलते विगत 25 दिनों से यहां वैशाख मास का स्नान के लिए श्रद्धालुओं का आवक लगी रहेगी । वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पवित्र मोहिनी एकादशी पर सोमवार की शाम को बदी घाट पर पवित्र सरोवर की महाआरती हुई ।

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | बूंदी

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन ने सहायक अभियंता (अ-प्रथम) को ज्ञापन देकर विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग कि है।

ज्ञापन में लिखा है कि अधीक्षण अभियंता द्वारा जारी पत्र क्रमांक 197 दिनांक में तकनीकी कर्मचारियों को साप्ताहिक विश्राम, घोषित अवकाश एवं ष्टष्टरुप्रदान करने के स्पष्ट एवं बाध्यकारी निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद उक्त आदेश की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। यह न केवल उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवज्ञा है, बल्कि श्रम कानूनों का उल्लंघन भी है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक तकनीकी कर्मचारी को प्रति सप्ताह एक पूर्ण विश्राम दिवस अनिवार्य रूप से दिया जाए। साप्ताहिक अवकाश हेतु पर्याप्त रिलीवर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए,

ताकि कोई भी कर्मचारी वंचित न रहे। निर्धारित कार्य अवधि का पालन किया जाए एवं आवश्यकता होने पर ही ओवरटाइम लिया जाए, जिसका नियमानुसार भुगतान / ष्टष्टरु दिया जाए। अवकाश के दिन कार्य लेने की स्थिति में संबंधित कर्मचारी को नियमानुसार ष्टष्टरु प्रदान किया जाए तथा उसका उचित रिकॉर्ड रखा जाए।

सभी घोषित अवकाशों (निगम एवं स्थानीय स्तर) का लाभ तकनीकी कर्मचारियों को सुनिश्चित किया जाए साप्ताहिक शनिवार व रविवार को अवकाश दिवस पर जारी होने वाले उपखण्ड कार्यालय खोलने सम्बन्धित आदेश नही निकाले जाए। ज्ञापन देने वालों में दीपक कुमार राठौड़, सुरेश शर्मा, सोनू शर्मा, राधेश्याम, हरिओम, अशोक, बलराम, मुकेश, इमरान, अमित पाराशर आदि शामिल रहे।

भीषण गर्मी से श्रदालुओं को राहत देने के लिये लगेंगे टेंट और कूलर

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए विश्व प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर में दर्शनार्थियों को राहत देने के लिए विशेष व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई हैं। अस्थाई मंदिर प्रबंध कमेटी ने मंदिर परिसर में 8 कूलर लगवाए हैं, जिससे दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को गर्मी से काफी राहत मिल रही है। कमेटी द्वारा लगाए गए कूलरों में 6 बड़े कूलर और 2 ब्लोअर शामिल हैं, जिन्हें मंदिर परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया गया है। इसके अलावा धूप से बचाव के लिए मंदिर परिसर में टेंट लगाने और फर्श पर मैटिंग बिछाने की भी तैयारी की जा रही है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए मंदिर पुजारी कृष्ण गोपाल वशिष्ठ ने कूलर लगाने की मांग को लेकर अस्थाई मंदिर प्रबंध कमेटी के सचिव एवं एसडीओ गुरुप्रसाद तंवर को पत्र सौंपा था। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीओ तंवर और उपकोषाधिकारी लखन भाटी ने प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। व्यवस्थापक सुनील शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए मंदिर परिसर में कूलर लगवाने का कार्य पूरा कराया।

दूनी में गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांगः सैकड़ों गोभक्तों ने जुलूस निकाला, राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

दूनी (टोंक)। देश में गौ माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने के लिए चल रहे आंदोलन की गूँज अब दूनी तहसील में भी सुनाई दे रही है। सोमवार को सैकड़ों गोभक्तों ने एकजुट होकर गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग को लेकर एक विशाल जुलूस निकाला। यह जुलूस माँ दुणजा मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए दूनी नगरपालिका कार्यालय तक पहुँचा। इसमें दूनी के नागरिक, गोसेवक, पूर्व सैनिक, मातृशक्ति और युवा शक्ति सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गौ माता की झांकियों और नारों के साथ 'गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दो' की मांग की। दूनी नगरपालिका क्षेत्र के व्यापारियों ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। जुलूस के बाद, एक प्रतिनिधिमंडल ने दूनी तहसीलदार विनोद शर्मा को राष्ट्रपति, राज्यपाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा।

इस आंदोलन में सर्वजीव दया गोसेवा पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट गौशाला दूनी, आजाद हिन्द खेडेश्वर महादेव गौशाला घाड़, भगतसिंह गोशाला बथंली, बालाजी गोशाला चारनेंट कोटडा, श्री देवनारायण गोशाला चन्दवाड़, नुनपुरा, चांदसिंहपुरा और ठिकरियाकलां सहित क्षेत्र की कई प्रमुख गौशालाओं के संचालक, सेवादार और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के कार्यकर्ता शामिल हुए। ज्ञापन के माध्यम से गोभक्तों ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, गौ माता को अविलंब 'राष्ट्रमाता' का संवैधानिक दर्जा दिया जाए। दूसरी, गौ संरक्षण के लिए कड़े कानून बनाए जाएं ताकि गौ हत्या पर रोक लग सके। तीसरी, गौशालाओं की स्थिति में सुधार के लिए सरकार एक विशेष पैकेज की घोषणा करे। शिक्षाविद् एवं जनसेवक डॉ. शिवजीलाल चौधरी सरोली ने कहा, 'गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। इसे राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना ही चाहिए।' इस विशाल प्रदर्शन ने प्रशासन और सरकार तक यह स्पष्ट संदेश पहुँचाया कि क्षेत्र का जनमानस गौ माता के सम्मान और संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पुलिस ने टहलडी के बहुचर्चित महेन्द्र योगी हत्याकांड के वांछित आरोपी कमल जोगी को सलेमपुर से दबोचा

स्मार्ट हलचल

मंडावर। न्याय के पहिये भले ही धीरे चलते हों, लेकिन अपराधी कानून के शिकंजे से ज्यादा दूर नहीं रह सकता। टहलडी गांव के बहुचर्चित महेन्द्र योगी हत्याकांड में पिछले 20 महीनों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे वांछित बदमाश को मंडावर थाना पुलिस ने धर दबोचा है। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे रेंज स्तरीय धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस की स्पेशल टीम ने जाल बिछाकर आरोपी कमल जोगी को सलेमपुर क्षेत्र से गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर गुजरात के विभिन्न इलाकों में छिपता फिर रहा था, लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और पुलिस की 'गोपनीय घेराबंदी' के आगे उसकी चालाकी धरी रह गई।

महवा सीओ मनोहरलाल के सुपरविजन में मंडावर थानाधिकारी प्रवीण कुमार मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। टीम में कांस्टेबल मनोज कुमार, पंकज सिंह, गजेंद्र सिंह और प्रतापसिंह की मुस्तैदी ने आरोपी के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए।

गौरतलब है कि सितंबर 2024 में मृतक के भाई राधेश्याम योगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई महेन्द्र जब मकान निर्माण का सामान लेकर घर लौट रहा था, तब सहज्या घाटा के समीप घात लगाए बैठे करीब 20 हमलावरों ने उसे घेर लिया था। सरिया, कुल्हाड़ी और लाठियों से लैस हमलावरों ने बेरहमी से महेन्द्र की हत्या कर दी थी। पुलिस पूर्व में ही इस मामले के करीबन आठ आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेज चुकी है, जबकि फरार चल रहे अन्य आरोपियो की तलाश अब और तेज कर दी गई है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्त में आए आरोपी कमल जोगी से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि हत्याकांड से जुड़े अन्य राज और बाकी फरार आरोपियो का पता लगाया जा सके। पुलिस का स्पष्ट दावा है कि पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय दिलाया जाएगा और किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा।

राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज में होंगे सुधार कार्य

225 करोड़ रुपये की आएगी लागत, जल स्तर बनाए हुए होगा आधुनिकीकरण

स्मार्ट हलचल| जयपुर/बूँदी

चम्बल नदी के बांधों के लिए उन्नयन की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और कोटा बैराज के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 225 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराए जाएंगे। बांधों के पुनर्वास और सुरक्षा सुधार के लिए यह कार्य डैम रिहैबिलिटेशन एंड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (ड्रिप फेज-2) के तहत होंगे। इनके लिए निविदा जारी कर दी गई है। इससे क्षेत्र में जल प्रबंधन, सिंचाई और विद्युत उत्पादन को अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

कोटा बैराज के गेटों का होगा रिप्लेसमेंट

कोटा जिले की लाडपुरा तहसील स्थित कोटा बैराज के वर्ष 1960 में निर्माण के बाद से हाइड्रो-मैकेनिकल कार्यो में कोई बड़ा रिप्लेसमेंट/ओवरहालिंग कार्य नहीं हुआ है। इसके 19 रेडियल गेट और 2 स्लुइस गेट की स्थिति ठीक नहीं है। स्लुइस गेट कई वर्षों से निष्क्रिय हैं। अब इस प्रोजेक्ट के तहत 19 रेडियल गेटों, 2 स्लुइस गेटों, 2 सैट स्टॉपलोग गेट, गैन्ट्री क्रेन और विद्युत उपकरणों को बदलने का कार्य करते हुए व्यापक आधुनिकीकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोटा और बूंदी जिलों की पेयजल और सिंचाई आवश्यकताओं को देखते हुए सुधार कार्यों के दौरान भी बैराज का जल स्तर 854.50 फीट पर बना रहेगा। सभी कार्य पूर्ण जल भराव की स्थिति में ही सम्पादित होंगे।

बिना विद्युत उत्पादन बाधित किए होगा सुदृढ़ीकरण

चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित राणा प्रताप सागर बांध, चम्बल परियोजना का प्रमुख जल भंडारण केन्द्र है। यह बांध पेयजल और सिंचाई के लिए जल उपलब्धता के साथ-साथ 172 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है। इसके राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए रखरखाव और उन्नयन कार्य कराए जा रहे हैं। बिजली उत्पादन और पेयजल आपूर्ति को बिना बाधित किए इस बांध के 17 वर्टिकल क्रेस्ट गेटों, गेन्ट्री क्रेन, 4 स्लुइस गेटों, स्टॉपलोग गेटों को बदलने का कार्य और स्काई-जंप बकेट की मरम्मत का कार्य किया जाएगा। ये वर्टिकल गेट 18408 क्यूमेक्स तक की बाढ़ निकासी क्षमता रखते हैं।

जवाहर सागर बांध में तकनीकी उन्नयन

बूंदी जिले के तालेड़ा ब्लॉक में राणा प्रताप सागर बांध के नीचे (डाउनस्ट्रीम में) स्थित जवाहर सागर बांध वर्ष 1972 में बना था। लगभग 33.66 मीटर ऊंचे बांध की सुरक्षा और 99 मेगावाट क्षमता वाले पावर हाउस की दक्षता बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास और तकनीकी सुधार किए जाएंगे। यह संरचना चंबल नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने और डाउनस्ट्रीम जल प्रबंधन में अहम भूमिका निभाती है। बांध में 15.24 मीटर चौड़ाई एवं 13.41 मीटर ऊंचाई के 12 रेडियल गेट हैं। इसकी भराव क्षमता 67.11 एमसीयूएम है। परियोजना के सभी कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और समयबद्ध पूर्ण किए जाएंगे। तीनों बांधों के उन्नयन से जल संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ उनकी आयु में भी वृद्धि होगी। हाड़ौती क्षेत्र की सिंचाई और पेयजल सुरक्षा भी लम्बे समय तक सुनिश्चित रहेगी और शहरी विकास को भी गति मिलेगी।- श्री सुरेश सिंह रावत, जल संसाधन मंत्री

कोटा मंडल की पटरियों पर इतिहास का आगाज़

भारत की पहली अल्सटॉम-प्रणोदन वंदे भारत रेक के परीक्षण का शुभारंभ

[illegible]

स्मार्ट हलचल|कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के लिए आज का दिन गौरव का दिन बन गया, जब भारत में पहली बार आरसीएफ (रेल कोच फैक्ट्री), कपूरथला द्वारा निर्मित 16-कार वंदे भारत ट्रेनसेट (चेयर कार) – जिसमें फ्रांस की विश्वविख्यात अल्सटॉम कंपनी की भारतीय अनुषंगी इकाई अल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्त अत्याधुनिक ट्रेन नियंत्रण एवं प्रणोदन प्रणाली लगी है – के परीक्षण का शुभारंभ कोटा-शामगढ़-कोटा मार्ग पर हुआ। स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक प्रौद्योगिकी के इस अद्वितीय संगम ने भारतीय रेल की अगली पीढ़ी के सफर की शुरुआत आज कोटा की पटरियों से की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि यह परीक्षण श्रृंखला आरडीएसओ (अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन), लखनऊ के निदेशक (परीक्षण) श्री धीरेन्द्र कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता श्री राघवेन्द्र सिंह की निगरानी में संचालित हो रही है तथा अगले कई दिनों तक जारी रहेगी। आज के प्रथम परीक्षण में 60 से 115 किमी प्रति घंटे की गति तक प्रणोदन प्रदर्शन मूल्यांकन, ब्रेक कार्यक्षमता सत्यापन तथा प्रणाली एकीकरण परीक्षण सम्पन्न किए गए। परीक्षण रेक ने नागदा-कोटा खंड पर सभी स्थायी एवं अस्थायी गति प्रतिबंधों का पूर्णतः पालन करते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह दौड़ पूरी की। यह प्रारंभिक चरण आगामी उच्च गति परीक्षणों – जो क्रमशः अधिकतम 180 किमी प्रति घंटे तक संचालित होने प्रस्तावित हैं – की नींव तैयार करता है।

इस परीक्षण विशेष का संचालन कोटा मंडल के अनुभवी दल द्वारा किया जा रहा है, जिसमें मुख्य लोको निरीक्षक श्री वाई. के. शर्मा ,लोको पायलट श्री विपिन कुमार सिंह, सह-लोको पायलट श्री घन श्याम जोशी, मुख्य यातायात निरीक्षक श्री सुशील कुमार जेठवानी तथा ट्रेन प्रबंधक श्री रवि अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनके साथ अल्सटॉम और वाबटेक की विशेषज्ञ तकनीकी टीमें प्रणाली संचालन में सतत सहभागी हैं।

जिला अस्पताल का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

आमजन को मिले बेहतर चिकित्सा सुविधाएं-जिला कलक्टर

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने सोमवार को जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, सर्जिकल आउटडोर, इमरजेंसी कैजुअल्टी, ड्रेसिंग रूम और मेडिकल आईसीयू सहित विभिन्न कक्षों का सघन दौरा किया। अस्पताल की सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

ओपीडी के निरीक्षण के दौरान शौचालयों में गंदगी और समय पर कचरा नहीं उठाने पर जिला कलक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने सफाई ठेकेदार को नोटिस जारी करने और काम न करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। अस्पताल के बाहर सड़क पर पड़े

मलबे को हटाने और दीवारों पर थूकने वालों पर जुर्माना लगाने को भी कहा । मोर्चरी के बाहर पड़े कचरे को लेकर उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्था बने कि कचरा न फैले और हर दो दिन में इसका उठाव सुनिश्चित हो।

एक सप्ताह में सुधरे ट्रोमा वार्ड की सूरत

ट्रोमा वार्ड के निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने अस्त-व्यस्त पलंगों और खिड़कियों पर जमा धूल-मिट्टी को देखकर उन्हें अच्छी तरह साफ करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर ट्रोमा वार्ड की स्थिति में सुधार नजर आना चाहिए। साथ ही, अस्पताल में खराब पड़े कूलर, पंखों, विद्युत बोर्ड और स्विच की सूची बनाकर उन्हें दो दिन के भीतर ठीक करवाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सीएचओ के बैठने की व्यवस्था ऐसी 'विजिबल' जगह पर हो, जहां से मरीज उन्हें आसानी से देख सकें और उन्हें इलाज के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। उन्होंने ओपीडी के रजिस्ट्रेशन कक्ष और नेत्र जांच कक्ष से अनावश्यक सामान हटाकर उन्हें व्यवस्थित करने को कहा। इसके अलावा टीबी क्लिनिक के बाहर हो रहे गड्ढों को भरवाने और हॉल में बेतरतीब रखे दवाइयों के डिब्बों को सही स्थान पर रखवाने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि आरएसआरडीसी के माध्यम से अस्पताल में करवाए गए सिविल कार्यों की एक विस्तृत सूची बनाकर दी जाए, जिससे इन कार्यों में रही कमियों को दूर करवाया जा सके। इसके साथ ही चिकित्सालय में करवाए जाने वाले अन्य मरम्मत संबंधी कार्यों की भी सूची तैयार करने को कहा गया।

अस्पताल को अपना मानकर करें काम

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल को अपना मानें और इसी ध्येय के साथ काम करते हुए आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएं। हमारा प्रयास है, कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को राहत मिले। छोटी-छोटी कमियां हैं जिनसे कार्य प्रभावित होता है, इन्हें शीघ्र ही दुरुस्त कर लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एल.एन.मीणा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर आदि साथ रहे।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत ज्ञापन सौंपा, आधे घंटे इंतजार के बाद पहुंचे नायब तहसीलदार

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। कस्बे में सोमवार को सुबह गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौ भक्तों और कार्यकर्ताओं ने गौवंश की सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मान को लेकर जोरदार तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। सुबह करीब ग्यारह बजे शिवालय गुफा मंदिर परिसर में एकत्रित होकर कार्यकर्ता संगठित रूप से छीपाबड़ौद मार्ग स्थित पुलिस थाना पहुंचे, जहां उन्होंने गौवंश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके बाद सभी कार्यकर्ता उपतहसील कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां नायब तहसीलदार के अनुपस्थत मिलने से गौ भक्तों में नाराजगी व्याप्त हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे, तब तक वे ज्ञापन नहीं सौंपेंगे।

आधे घंटे तक इंतजार, फिर पहुंचे अधिकारी

गौ भक्तों ने उपतहसील कार्यालय परिसर में ही धरना जैसा माहौल बनाते हुए करीब आधे घंटे तक इंतजार किया। स्थिति को देखते

हुए सूचना नायब तहसीलदार तक पहुंचाई गई, जिसके बाद नायब तहसीलदार राधेश्याम लववंशी मौके पर पहुंचे और ज्ञापन प्राप्त किया। इसके बाद ही गौ भक्तों ने राहत की सांस ली।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में बढ़ती गौ तस्करी पर सख्त रोक लगाने, लावारिस गौवंश के संरक्षण के लिए स्थायी व्यवस्था करने तथा गौ सेवा से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देने की मांग की गई। साथ ही गौवंश के लिए बेहतर चिकित्सा एवं आश्रय व्यवस्था उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

जागरूकता अभियान भी रहेगा जारी

अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बताया कि समाज में गौ सेवा एवं संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 27 अप्रैल 2026 एवं 27 जुलाई 2026 को गौ सम्मान दिवस के रूप में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मौजूद रहे गौ भक्त

इस दौरान उपसरपंच संजय पारेता, दिलीप जैन, अशोक शर्मा, लोकेश गौतम, राकेश शर्मा, पवन पारेता, योगेश विजयवर्गीय, बंटी शर्मा, महेन्द्र पारेता, रोहित गुप्ता, मुरलीधर मेहरा, अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं प्रशासन की ओर से पटवारी गिरिवर सिंह, रामनरेश मीणा, एलडीसी रोहित मीणा सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पंकज चौधरी, आईपीएस ने किया बूंदी में क्रिकेट कैम्प का उद्घाटन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान क्रिकेट संघ के निर्देशानुसार जिला क्रिकेट संघ बूंदी द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन एवं जिला स्तरीय क्रिकेट चैंपियनशिप के उद्घाटन के लिए दिनांक 26 अप्रैल को चंद्र प्रकाश स्टेडियम में मुख्यअतिथि श्री पंकज चौधरी,आईपीएस रहे।जिला क्रिकेट एसोसिएशन की और से श्री राजकुमार माथुर व अन्य पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की और से जारी सारिणी के तहत पूरे राजस्थान के प्रत्येक जिले में ये कैम्प आयोजित किए जा रहे है।चौधरी ने खिलाड़ियों को संबोधित कर अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत की नसीहत दिया और पढ़ाई को भी महत्व देना बताया।

श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति के आव्हान पर देहदान संकल्प

देहदान के संकल्प से चिकित्सा शिक्षा को मिला संबल, दंपत्ति ने दिखाई पहल

स्मार्ट हलचल|कोटा

चिकित्सा शिक्षा और शोध कार्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा द्वारा न्यू मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को देहदान के संकल्प पत्र सौंपे गए। समिति के अध्यक्ष रविन्द्र जोशी ने बताया कि यह संकल्प पत्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिमा जायसवाल एवं डॉ. शिव राठौर को सौंपे गए, जिसमें दाधीच समाज के डॉ. प्रभाकर व्यास की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष कौशल किशोर, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा तथा मीडिया प्रभारी अमित दाधीच सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सौंपे गए संकल्प पत्र देहदानी दंपत्ति ओम प्रकाश मित्तल (71) एवं उनकी पत्नी अंजना मित्तल के हैं, जिन्होंने समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

समिति के मुख्य सलाहकार नरेन्द्र मोहन दाधीच ने बताया कि पूर्व में महेन्द्र दाधीच द्वारा भरे गए देहदान

संकल्प पत्र की खबर से प्रेरित होकर यह दंपत्ति भी इस पुनीत कार्य के लिए आगे आया। अध्यक्ष रविन्द्र दाधीच ने बताया कि समिति ने अभी तक 2 देहदान कोटा एवं बूंदी से करवाएं है तो 04 लोगो ने देहदान का संकल्प पत्र मेडिकल कॉलेज को सौपे है।

डॉ. प्रतिमा जासवाल ने कहा कि देहदान 'महादान' है, जो चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है। इससे भविष्य के चिकित्सकों को अध्ययन में सहायता मिलती है और अप्रत्यक्ष रूप से अनेक लोगों को जीवनदान मिलने की संभावनाएं बढ़ती हैं।

दादाबाड़ी खंडेलवाल सरावगी समाज के चुनाव निर्विरोध संपन्न

स्मार्ट हलचल|कोटा

श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज, दादाबाड़ी इकाई के द्विवर्षीय कार्यकारिणी चुनाव शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध रूप से संपन्न हो गए। चुनाव अधिकारी एडवोकेट संजय पाटोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान अध्यक्ष पारस सोगानी द्वारा वर्ष 2024-2026 की कार्यकारिणी को विधिवत भंग किए जाने के पश्चात नई कार्यकारिणी के गठन की

प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत वर्ष 2026-2028 के कार्यकाल के लिए महेन्द्र गोधा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, जयदीप अनोपड़ा को महामंत्री तथा अभिषेक गदिया को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिससे समाज की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का परिचय मिला।

इस अवसर पर सकल समाज के अध्यक्ष प्रकाश जी बज, विमल नांता, जे.के. जैन, पारस बज, महावीर कोठारी, राकेश पाटोदी, सुरेश पाटोदी, जेनेंद्र जैन (जज साहब) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। निर्वाचन प्रक्रिया में लगभग 180 स्थायी सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

चौमू विधायक ने जिला कांग्रेस की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता को किया संबोधित

महिला आरक्षण पर झूठ व भ्रमजाल फैलाकर राजनीति कर रही भाजपा सरकार - डॉ शिखा मील बराला

जानबूझकर परिसीमन से जोड़ा गया महिला आरक्षण-महावीर मीणा

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सोमवार को बूंदी पहुंची चौमू विधायक व कांग्रेस नेता डॉ शिखा मिल बराला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा महिला आरक्षण पर झूठ और भ्रमजाल फैलाकर राजनीति की जा रही है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बूंदी जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ शिखा मिल बराला ने कहा कि वर्तमान में केंद्र की भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर अपने राजनीतिक कुटिलता से परिसीमन करने की कोशिश की थी जो विफल हो गयी है।उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार महिला आरक्षण लागू करने के प्रति ईमानदार सोच रखती है तो आज वर्तमान स्थिति में भी लागू कर सकती है इसके लिये मनमाने परिसीमन की क्या आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने में देश में अग्रणी एवं ऐतिहासिक भूमिका निभायी है। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम महिला आरक्षण विधायक 1996 में कांग्रेस के समर्थन से चल रही तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा सरकार के समय कांग्रेस के द्वारा ही संसद में पेश किया गया था जो पारित नहीं हो सका था और जेपीसी को भेज दिया गया था। 2010 में यूपीए सरकार ने महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में

पारित करवाया था।

नगरीय निकाय व पंचायत राज में कांग्रेस ने लागू किया महिला आरक्षण

सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक शिखा मिल बराला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ही 1992 में देश में महिलाओं की भागीदारी राजनीति के मुख्य धारा में सुनिश्चित करने एवं प्रतिनिधित्व देने के लिये संविधान के 73 वे 74 वे संशोधन के माध्यम से नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता देते हुये महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है।

2023 में भाजपा ने ही लागू नहीं होने दिया महिला आरक्षण

डॉ शिखा मिल बराला ने कहा कि 2023 में महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) संसद में सर्वसंपत्ति से पारित हुआ था जिसमें कांग्रेस ने अधिनियम के लिये दबाव बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। कांग्रेस पार्टी ने संसद में इस आरक्षण को तत्काल लागू कर आगामी लोकसभा पर विधानसभा चुनाव 33 प्रतिशतमहिला आरक्षण के साथ करवाने की मांग की थी।लेकिन भाजपा सरकार ने इस आरक्षण को उस समय से लेकर आज तक लागू नहीं होने दिया और इसमें जनगणना करवाने और परिसीमन की शर्तों को साथ में जोड़ दिया।

महिला आरक्षण के लिये परिसीमन की आवश्यकता नहीं-मीणा

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महावीर मीणा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जानबूझकर महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ रही है जबकि महिला आरक्षण लागू करने के लिये परिसीमन की कोई आवश्यकता नहीं है। पूर्व में भी पंचायतराज व नगर निकाय चुनाव में बिना परिसीमन के महिला आरक्षण लागू किया जा चुका है। कांग्रेसी अध्यक्ष मीणा ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण के विषय मे अनर्गल दुष्प्रचार कर रही है।

इस अवसर पर निवर्तमान जिला प्रमुख व महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष चंद्रावतीकंवर, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा, ओबीसी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बृजमोहन यादव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व प्रधान मधु वर्मा, महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव संतोष भाकल, कीर्ति सुखवाल, ममता जैन, कांग्रेस नेता हनुमान भाकल, लोकेश सुखवाल भी उपस्थित रहे।

आईटी एक्ट व धर्मांतरण की धाराओं में मुकदमा, आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/फतेहपुर

थाना क्षेत्र में युवती को प्रेमजाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने, शारीरिक शोषण करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि गांव निवासी मंसूर अहमद ने उनकी 19 वर्षीय बेटी को प्रेम संबंध का झांसा देकर उसके आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए। आरोप है कि इन्हीं के आधार पर वह करीब डेढ़ वर्ष तक युवती को ब्लैकमेल कर शोषण करता रहा।शिकायत के अनुसार, जब युवती ने धर्म परिवर्तन से इंकार किया तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी और परिवार को जान से

मारने की धमकी भी दी।

परिजनों के मुताबिक 25 अप्रैल की सुबह युवती घर में रोती हुई मिली। पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। युवती के पिता मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहते हैं। इसके बाद मां ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी।

थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट व धर्मांतरण से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को पौली गेट मलिहाबाग के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। अभी मामले की जांच जारी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया भाजपा जिला कार्यालय नवीन भवन का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल | टोंक

भारतीय जनता पार्टी के टोंक जिला मुख्यालय पर नवीन कार्यालय भवन का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के द्वारा किया गया इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राजस्थान प्रभारी डॉ राधामोहन अग्रवाल, टोंक जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, देवली उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर, निवाई विधायक राम सहाय वर्मा, पूर्व कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी, पूर्व सांसद सुखवीर सिंह जोनापुरिया, पूर्व विधायक अजीत मेहता, टोंक जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में शुभारंभ किया गया इस अवसर पर कार्यकर्ता सम्मेलन को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा को हर बुथ और अधिक मजबूत करना होगा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर संकल्प को पूरा करने का काम हमारा कार्यकर्ता करता है हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत,यसंघर्ष के कारण भाजपा सत्ता में है, 4 मई को बंगाल के चुनावों के परिणाम आएंगे उसमे भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से सत्ता में जाएंगे सेवा और संगठन की भावना से हमारा कार्यकर्ता काम करता है हमारे प्रधानमंत्री महिलाओं को आगे बढाने का काम कर रहे थे लेकिन विपक्ष के साथियों द्वारा उसे रोकने का काम कर रहे जिसके कारण महिलाओं के लिए लेकर आए नारी शक्ति वंदन अधिनियम बील पास नहीं हो सका जिसे जल्दी ही पास करवाएंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जन तक पहुंचाने का काम हमारे कार्यकताओं को करना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने टोंक से ही बूंदी, प्रतापगढ़, पाली, चुरू, बाडमेर, डूंगरपुर जिला कार्यालयों का वर्चुअल लोकार्पण एवं जालोर कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेता विजय बैसला, भरतपुर जिला प्रभारी नरेश बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, सत्यनारायण चौधरी, राजेन्द्र पराणा, देवली प्रधान बनवारी चौधरी, उनियारा पूर्व प्रधान ममता जाट, जूनिया ग्राम सेवा सहकारी समिति लि के अध्यक्ष सत्यनारायण चौधरी सरोली, मुकेश कश्यप पार्षद,लक्ष्मी जैन, भंवर लाल जाट, रोकी खण्डेलवाल, शिवराज बराला, देवली देहांत अध्यक्ष विनोद माहुर, गोपाल सैनी ठेकेदार, गोपाल मामा, युवा नेता जितेन्द्र धीवर, बादल साहू पार्षद, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, देवली उनियारा प्रभारी प्रभू बडोलिया, रमेश समरवाल पार्षद, ओम प्रकाश चौधरी, लीला कंवर, सावित्री गोतम, बद्रीलाल कीर, मुकेश मेहरा, साजन मेहरा सहित वरिष्ठ व श्रेष्ठ पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ता मोजूद थे।

इस कार्यक्रम में कहार कीर-केवट-कश्यप-मेहरा विकास मंच के प्रदेशाध्यक्ष हरिनंद कहार कोटा के निर्देशानुसार टोंक नगर परिषद के पार्षद मुकेश कश्यप व मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष राजूलाल धीवर '. एएसआई प्रदेश सचिव जितेन्द्र धीवर ने केवट कल्याण बोर्ड में पदाधिकारी एवं समाज के कल्याण व उत्थान के लिए विशेष पैकेज देने व भाजपा के प्रदेश संगठन मे प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ज्ञापन सौंपा गया।

शादी समारोह में डीजे के पीछे खतरनाक स्टंट

वीडियो वायरल होते ही पुलिस की सख्त कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। मेड़ता रोड क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान युवाओं द्वारा किए गए खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कुछ युवक डीजे के पीछे चल रही गाड़ियों के साथ लापरवाही भरे स्टंट कर रहे हैं, जिससे न केवल उनकी बल्कि आसपास मौजूद लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी।

इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को सतर्क कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, स्टंट में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलों और एक बोलेरो कैंपर वाहन को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के खतरनाक स्टंट कानूनन अपराध हैं और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई और बिना देर किए उन्हें हिरासत में लिया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही, लोगों से अपील की गई है कि वे शादी या अन्य समारोहों में इस तरह के जोखिम भरे कृत्यों से बचें और कानून का पालन करें।

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि युवाओं में बढ़ती लापरवाही और सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने की होड़ किस दिशा में जा रही है।

पारिवारिक न्यायालय ने पत्नी की भरण-पोषण याचिका की खारिज

अपाहिज व दान पर जीने वाले पति को राहत

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या-1 के पीठासीन अधिकारी व न्यायाधीश पलविन्दर सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत दायर एक पत्नी की भरण-पोषण याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पत्नी के पास आय के अपने साधन हैं, जबकि उसका पति शारीरिक रूप से अक्षम है और दूसरों के रहमोकरम पर जी रहा है। प्रार्थीया श्रीमती गजरी बाई ने अपने पति मांगीलाल के खिलाफ प्रतिमाह 20,000 रुपये भरण-पोषण की मांग करते हुए यह याचिका दायर की थी। उसने आरोप लगाया था कि उसका पति शराब पीकर मारपीट करता है और उसे घर से निकाल दिया है। पत्नी ने दावा किया था कि मांगीलाल चिनाई, ठेकेदारी और खेती से हर महीने करीब 70-80 हजार रुपये कमाता है।

अदालत में विपक्षी (पति) मांगीलाल की ओर से न्यायमित्र श्री भरत प्रजापत और गणेश चौहान ने मजबूती से पैरवी की। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि असल में पुत्र की मृत्यु के बाद गजरी बाई ने ही मांगीलाल को घर से बाहर निकाल दिया था और मकान पर कब्जा कर लिया था। न्यायमित्रों ने अदालत में साबित किया कि पत्नी खुद उसी मकान में रहती है, वहां 8-10 साल से एक आटा चक्की चलाती है और मकान के 4-5 कमरे किराए पर देकर अपनी आजीविका आसानी से चला रही है।

सुनवाई व साक्ष्यों के अवलोकन के दौरान न्यायालय ने पति की दयनीय स्थिति पर गौर किया। साक्ष्यों में सामने आया कि मांगीलाल के दाहिने हाथ की तीन उंगलियां कटी हुई हैं, जिससे वह शारीरिक रूप से अक्षम है और चिनाई या मजदूरी का काम करने में असमर्थ है। इसके अलावा, अपने पुत्र की मृत्यु के बाद से वह मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया है और वर्तमान में खेरादीवाड़ा स्थित रामदेवरा मंदिर में शरण लिए हुए है। वह वहां थोड़ी बहुत साफ-सफाई करता है और पूरी तरह से मंदिर में आने वाले लोगों और आस-पड़ोस के निवासियों द्वारा दिए गए भोजन पर ही जिंदा है; कई बार उसे भूखा भी सोना पड़ता है।

सभी तथ्यों और सबूतों को देखते हुए, अदालत ने यह निष्कर्ष निकाला कि प्रार्थीया पत्नी के पास अपना भरण-पोषण करने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं, जबकि विपक्षी पति के पास आय का कोई साधन नहीं है और वह अपने जीवित रहने के लिए दूसरों पर आश्रित है । इसके साथ ही, न्यायालय ने 16 अप्रैल 2026 को गजरी बाई की भरण-पोषण याचिका को अस्वीकार कर खारिज कर दिया ।

कौमी एकता का संदेश देगा हज़रत रोशन अली बाबा साहब का 65 वां चार दिवसीय सद्भावना उर्स, आज से शुभारंभ

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

निम्बाहेड़ा में कौमी एकता, भाईचारे एवं सूफी परंपरा के प्रतीक हज़रत रोशन अली बाबा साहब का 65 वां चार दिवसीय सद्भावना उर्स आज मंगलवार से श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ प्रारंभ होगा। आयोजन को लेकर उर्स कमेटी द्वारा व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। हाल ही में आयोजित बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने पर जोर दिया गया

कुरआन ख्वानी व चादर शरीफ जुलूस से होगा आगाज़

उर्स कमेटी के सदर सादिक हुसैन ने बताया कि 28 अप्रैल को प्रातः फजर की नमाज के पश्चात कुरआन ख्वानी के साथ उर्स का आगाज़ होगा। सायं 4 बजे बस स्टैंड स्थित हज़रत केली वाले बाबा साहब के आस्ताने से चादर शरीफ का भव्य जुलूस निकाला जाएगा। साथ ही मदरसा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न धार्मिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

महफिल-ए-कव्वाली रहेंगी मुख्य आकर्षण

29 अप्रैल को नमाज़-ए-ईशा के बाद महफिल-ए-कव्वाली का आयोजन होगा, जिसमें उज्जैन के लोकेश जीवन साबरी कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे, वहीं भोपाल के मशहूर कव्वाल हाजी मुकर्रम अली वारसी सूफियाना कलाम पेश करेंगे।30 अप्रैल को दिल्ली के प्रसिद्ध कव्वाल आमिर आरिफ साबरी अपनी प्रस्तुति से समां बांधेंगे।

महफिल-ए-रंग व कुल की रस्म के साथ होगा समापन

1 मई को नमाज़-ए-जुहर के बाद महफिल-ए-रंग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोकेश जीवन साबरी एवं आमिर आरिफ साबरी संयुक्त प्रस्तुति देंगे। कुल की रस्म अदायगी के साथ उर्स का समापन होगा तथा अंजुमन जमात खाना में आम लंगर वितरित किया जाएगा।

कमेटी सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

उर्स कमेटी के संयोजक मोहम्मद फारूक निज़ामी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में सचिव मतलूब अजमेरी, कोषाध्यक्ष अयाज़ अहमद खान, नायब सदर जाकिर हुसैन खान, उर्स संयोजक मोहम्मद फारूक छिपा, साकिब छिपा, भूरू मेव, तनवीर अली, अयाज़, साहिल, अमीरउल्ला खान, मोहसिन खान, आजाद गौरी, फिरोज मंसूरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री चारभुजा जी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 3 लाख रुपये स्वीकृत

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा के मुख्यालय स्थित राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी के श्री चारभुजा जी मंदिर के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 3 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर जारी कर दी गई है। यह स्वीकृति शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा की अनुशंसा पर प्रदान की गई है।

इस राशि से मंदिर परिसर में आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। प्रस्तावित कार्यों में मंदिर के रखरखाव, संरचनात्मक मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण शामिल हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए विधायक डॉ. बैरवा के प्रति आभार व्यक्त किया है। इसे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संतों महंतों के सानिध्य में ज्ञापन सौंपा, गौ माता की दुर्दशा पर जताई चिंता

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

कस्बे में सोमवार को गौ संरक्षण, संवर्धन और सम्मान की मांग को लेकर गौ भक्तो ने गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत रैली निकालकर उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र चौधरी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान गौ सेवा समिति सदस्य एवं गौ भक्त तथा आमजन तोरण की बावड़ी पर एकत्रित होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रैली के माध्यम से उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में गौ भक्तो ने गौवंश की सुरक्षा के लिए सख्त केंद्रीय कानून बनाने, स्वतंत्र गौ सेवा मंत्रालय की स्थापना,गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, और अवैध वध पर कठोर कार्रवाई की मांग सरकार से की। तहसील कार्यालय इंद्रगढ़ में गौ भक्तो ने तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

गौ भक्तो ने वर्तमान में गौवंश की स्थिति को चिंताजनक बताया, और इसके सरंक्षण के लिए ठोस नीति की आवश्यकता बताई।

प्रतिनिधियों ने गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने, गौशालाओं के विकास के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने सहित अनेक मांग सरकार के सामने रखी। आज प्रदेश भर में गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत सभी उपखंड मुख्यालय, तहसील मुख्यालय पर ज्ञापन दिया। इस दौरान संत महंतों ने गौ माता की दुर्दशा पर चिंता जाहिर की, बताया कि गौ माता में 36 करोड़ देवी देवता निवास करते हैं, गौ माता की वर्तमान में हो रही दुर्दशा को लेकर रोष प्रकट किया। जबकि गौ माता कि दूध, दही, घी, मक्खन, गोबर आदि का बहुत उपयोग होता है,

फिर भी सरकार द्वारा इनके लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाने से गौ भक्तो में रोष व्याप्त है। संत महंतों एवं गौ भक्तो ने सरकार को चेताया कि समय रहते गौ माता के संरक्षण के लिए कानून एवं जरूरी उपाय नहीं किए गए तो प्रदेश भर के साथ साथ देशभर में उग्र प्रदर्शन होगा।

विकास के लिए हमेशा तत्पर, निरंतर प्रयासरतः रावत ने पुष्कर को दी बड़ी सौगात

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पुष्कर क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए सुरेश सिंह रावत ने एक और महत्वपूर्ण पहल कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि 'पुष्कर में विकास की कमी नहीं आने दी जाएगी' और इसी संकल्प के साथ डीएमएफटी फंड से महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृति जारी कराई है।

राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के बिंदु संख्या 58 के तहत पुष्कर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रमोन्नत कर उपजिला चिकित्सालय में परिवर्तित किया जाएगा। यह निर्णय क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेंगी।

इस परियोजना अन्तर्गत स्वीकृत राशि लगभग 4338 लाख रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है जिसकी प्रथम किस्त के रूप मे 1735 लाख रूपए की वित्तिय स्वीकृत आज जारी की गई है, यह कार्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, अजमेर के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा। परियोजना के पूर्ण होने पर अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार होगा, आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे और मरीजों को उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

श्री रावत ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए और निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग हो, ताकि दीर्घकालीन लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने आगे कहा कि यह कदम न केवल पुष्कर, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। अब गंभीर मरीजों को अजमेर या अन्य बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी, जिससे समय और आर्थिक दोनों की बचत होगी।

स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी पहल बताया है। आमजन का मानना है कि इस प्रकार की योजनाएं क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेंगी और लोगों को बेहतर जीवन जीने में सहायता प्रदान करेंगी।

श्री रावत का यह कदम पुष्कर को स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला साबित होगा और उनके 'विकास के लिए निरंतर प्रयास' के संकल्प को साकार करता नजर आ रहा है।

विद्यार्थी परिषद के द्वारा परीक्षा परिणामों में आई त्रुटियों के विरोध में सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | धौलपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) धौलपुर द्वारा बीए, बीएससी एवं बीसीए के परिणामों में आई त्रुटियों के विरोध में जिला कलेक्टर को बृज विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। परिषद ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से उठाते हुए परिणामों में सुधार करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा घोषित परिणामों में अनेक विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण (बैक) कर दिया गया है, जिसका कारण केवल विश्वविद्यालय हैं विद्यार्थियों को सेमेस्टर के तुरंत बाद परीक्षा करवाने के लिए बहुत कम समय देना जिससे विद्यार्थियों की ना क्लास चल पायी हैं ना ही विद्यार्थी पढ सका हैं और ये बात विश्वविद्यालय प्रशासन की जानकारी में होते हुए भी अनदेखा किया गया हैं जो विद्यार्थियों को पढ़ाई को लेकर मानसिक दबाव बनाता हैं और इस प्रकार की त्रुटि के कारण विद्यार्थियों में असमंजस और निराशा की स्थिति उत्पन्न हो रही है तथा उनका शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। परिषद ने मांग की कि जिन विद्यार्थियों को गलत तरीके से बैक लगाकर अनु उत्तीर्ण घोषित किया गया है, उनके परिणामों में शीघ्र सुधार किया जाए। साथ ही ऐसे सभी विद्यार्थियों को आगामी सेमेस्टर में परीक्षा फॉर्म भरने के लिए मान्य किया जाए.प्रांत कार्यकारिणी सदस्य निशा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिला कार्यालय मंत्री करुणा शर्मा ने कहा कि यह समस्या बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को प्रभावित कर रही है, इसलिए प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और सभी परिणामों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।गर्ल्स कॉलेज की इकाई अध्यक्ष तान्या समाधिया ने कहा कि छात्राओं को इस समस्या के कारण विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द परिणामों में सुधार कर विद्यार्थियों को राहत दी जाए। इस उपलक्ष्य में मुस्कान, साक्षी चौधरी, निधि, हरप्रीत,डॉली, विसंजन शर्मा, शुभाशी, नैतिक, सचिन, कन्हैया शर्मा,अर्चित, योगेश, सौरव, कुलदीप, करुणा, निशा, प्रज्ञान डागोर सहित परिषद के कई कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाराशर ब्राह्मण समाज का सामुहिक विवाह सम्मेलन विजयनगर में होगा

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। पाराशर समाज का विजयनगर में सम्मेलन होने जा रहा है । जिसमें आगामी 30 अप्रैल और 1 मई को विजयनगर में पाराशर ब्राह्मण समाज का सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। पाराशर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए तीर्थराज पुष्कर में शत गायत्री पुरस्चरण महायज्ञ संपन्न कराने वाले तपोनिष्ठ संत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 प्रखर जी महाराज ने समाज के प्रति अपनी अटूट दया का परिचय दिया है। जब समाज के गणमान्य नागरिक पूर्व पालिकाध्यक्ष सूरज नारायण पाराशर राकेश पाराशर उर्फ सुभाष पंडित, राजकुमार गोपाल पाठक, प्रेम मासा, पवन पाठक, मधुसूदन भाऊ और अनिल शर्मा महाराज जी को इस मंगल कार्य हेतु आमंत्रित करने पहुंचे, तो संत शिरोमणि ने समाज के प्रति अपना स्नेह दिखाते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने सम्मेलन में पधारने वाले सभी बंधुओं और अतिथियों के लिए दो दिनों के भोजन की संपूर्ण व्यवस्था स्वयं वहन करने का संकल्प लिया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सामूहिक विवाह समिति के बाबूलाल, अजय, नवीन ,संदीप पाठक और भावना पाराशर सहित समस्त पदाधिकारी पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। महाराज जी की उदारता से सहभोज के लिए आवश्यक समस्त रसद सामग्री-यथा शुद्ध देशी घी, खाद्य तेल, आटा, दाल, बेसन, सूखे मेवे और शक्कर ट्रकों में विजयनगर सम्मेलन स्थल पर पहुँचा दी गई है।

16 क्विंटल से अधिक अवैध मादक पदार्थ जलाकर किए नष्ट

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सोमवार को ब्यावर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध सख्त संदेश देते हुए भारी मात्रा में जब्तशुदा नशीले पदार्थों को नष्ट किया। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, विभिन्न थानों में दर्ज 29 मामलों से संबंधित 1623 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त, गांजा और अफीम के पौधों का भस्मीकरण किया गया।

श्री सीमेंट फैक्ट्री में हुई नष्टीकरण की प्रक्रिया

नष्टीकरण की यह कार्यवाही एनडीपीएस एक्ट की धारा 52 के तहत कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद अमल में लाई गई। जिले के समस्त थानाधिकारी अपने-अपने थानों में जब्त माल लेकर श्री सीमेंट फैक्ट्री पहुंचे। यहाँ गठित विशेष नष्टीकरण समिति की मौजूदगी में पुलिस ने अवैध खेप को जलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया।

समिति की निगरानी में पारदर्शिता

पूरी कार्यवाही के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इसकी विडियोग्राफी और फोटोग्राफी करवाई गई। इस अवसर पर गठित समिति के अध्यक्ष जिला पुलिस अधीक्षक, सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, और साइबर थानाधिकारी सहित विभिन्न थानों के अधिकारी मौजूद रहे।

नष्ट किए गए पदार्थों का विवरण:

डोडा पोस्तः 1613 किलोग्राम, अफीम के पौधेः 5.46 किलोग्राम, गांजाः 4.55 किलोग्राम, कुल मात्राः 1623 किलोग्राम।

'पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। न्यायालय से आदेश प्राप्त कर नियमानुसार आज भारी मात्रा में नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया है, ताकि थानों के मालखानों का निस्तारण हो सके और नशा तस्करी पर लगाम कसी जा सके। '

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

चित्तौड़गढ़। महावीर इंटरनेशनल हेल्थ केयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को आयोजित निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 134 रोगी लाभान्वित हुए।

शिविर के दौरान 72 रोगियों के नेत्र परीक्षण कर आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। इनमें से 32 रोगियों को निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। इसके साथ ही 31 रोगियों का रक्तचाप परीक्षण तथा 31 रोगियों की ब्लड शुगर जांच की गई। इसके साथ ही जरूरतमंद 21 रोगियों को निशुल्क पास की नजर के चश्मे दिए गए।

खाद-बीज व्यापारियों की एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल लिंकिंग प्रथा और लाइसेंस नियमों के खिलाफ खोला मोर्चा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। देशव्यापी आह्वान के तहत ब्यावर के कृषि आदान व्यापारियों ने सोमवार को अपनी ज्वलंत समस्याओं और मांगों को लेकर हुंकार भरी। एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन (ढ्ढष्ठ) के बैनर तले व्यापारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल रखते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और अतिरिक्त जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रमुख मांगों पर रहा जोर

ज्ञापन में व्यापारियों ने खाद की आपूर्ति के साथ कंपनियों द्वारा की जा रही 'जबरन लिंकिंग' (अनावश्यक उत्पाद थोपना) पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि इससे उन पर और किसानों पर आर्थिक बोझ पड़ता है। इसके अलावा, व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए निम्नलिखित मांगें प्रमुखता से उठाई गईः

मार्जिन में वृद्धिः डीलर मार्जिन को बढ़ाकर न्यूनतम 8 प्रतिशत किया जाए।

आपूर्ति नियमः सभी कृषि आदानों की आपूर्ति गंतव्य तक पहुंच आधार पर सुनिश्चित हो।

तकनीकी सरलीकरणः सरकारी 'साथी' पोर्टल के संचालन में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को दूर कर राहत दी जाए।

लाइसेंस सुधारः लाइसेंस निलंबन की स्थिति में 21 दिन के भीतर बहाली की समय-सीमा तय हो और दोहरी लाइसेंस प्रणाली को समाप्त किया जाए।

अवैध कारोबार पर अंकुश की मांग

व्यापारियों ने प्रशासन को अवगत कराया कि क्षेत्र में अवैध बीज बिक्री का कारोबार फल-फूल रहा है, जिससे पंजीकृत व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। साथ ही, एक्सपायर्ड कीटनाशकों की वापसी को कंपनियों के लिए अनिवार्य बनाने और बिना वजह की जा रही विभागीय कार्रवाई को बंद करने की मांग भी की गई।

खरीफ सीजन में ठप हो सकता है कारोबार

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यह केवल एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल थी। यदि सरकार और प्रशासन ने समय रहते इन 11 सूत्रीय मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया, तो आगामी खरीफ सीजन से ठीक पहले प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। ऐसी स्थिति में खाद-बीज की किल्लत की समस्त जिम्मेदारी शासन की होगी। व्यापारी एकता का संदेशः इस दौरान बड़ी संख्या में खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेता उपस्थित रहे, जिन्होंने एकजुट होकर नारेबाजी की और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से ठोस हस्तक्षेप की मांग की।

ग्राम पंचायत रतनपुरा में हो रहे धाकड़ समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में तूफान से हड़कम्प

स्मार्ट हलचल

नगरफोर्ट तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रतनपुरा (मांडकला) में आयोजित अखिल नागरचाल धाकड़ समाज के 28वें आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन में अचानक आई तेज आंधी और बारिश से बड़ा नुकसान हुआ है। आंधी तूफान के मौसम में अचानक बदलाव के कारण तेज आंधी और धूलभरी हवाओं ने सम्मेलन स्थल पर भारी तबाही मचाई। आंधी से सम्मेलन स्थल पर लगाए गए टेंट, पंडाल, सजावट और भोजन व्यवस्था ,अतिथि ,भामाशाहों के लिए तैयार पांडाल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे लाखों रुपये की क्षति होने की बात कही जा रही है। सम्मेलन में किसी भी प्रकार के जन हानि नहीं होने से सम्मेलन समिति ने राहत की सांस ली धाकड़ समाज द्वारा की गई तमाम तैयारियां धरी रह गई। समाज बंधुओं ने कई दिनों से इस सम्मेलन को लेकर भव्य तैयारियां की थीं, लेकिन अंतिम समय में मौसम ने सम्मेलन में बाधा डाल दी।

यह सम्मेलन धरणीधर सेवा संस्थान मांडकला के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा था, जिसमें 108 गांवों के समाज बंधु शामिल होने वाले थे। इस घटना के बाद आयोजन समिति ने स्थिति को संभालने के लिए तुरंत कदम उठाए।

ऋषि लांबा ने झुग्गी-झोपड़ियों में बांटा शीतल शरबत, पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान में सूर्यदेव के तीखे तेवर और भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को झकझोर कर रख दिया है। पारा चढ़ते ही जहाँ लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं, वहीं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कॉर्डिनेटर एवं जिला कांग्रेस सेवादल प्रवक्ता ऋषि लांबा मानवता की सेवा के लिए सड़कों पर उतरे हैं।

मासूमों को मिला 'रूहअफ़ज़ा' का सहारा

ऋषि लांबा ने अपनी टीम के साथ क्षेत्र की झुग्गी-झोपड़ियों और कच्ची बस्तियों का दौरा किया। यहाँ उन्होंने चिलचिलाती धूप में खेल रहे निर्धन बच्चों और दिव्यांगों को रूहअफ़ज़ा का शीतल शरबत पिलाकर राहत पहुँचाई। प्यास से व्याकुल बच्चों के चेहरों पर शरबत पीते ही आई मुस्कान ने सेवा की सार्थकता को सिद्ध कर दिया।

मानवीय संवेदनाओं को जीव मात्र तक ले जाते हुए लांबा ने पक्षियों की सुध भी ली। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधे और उनमें नियमित पानी भरने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, 'गर्मी में संपन्न लोग तो अपना इंतजाम कर लेते हैं, लेकिन असली परीक्षा उन मासूमों और बेजुबानों की है जिनके पास संसाधन नहीं हैं। '

समाज से अपील

लांबा ने आमजन से भावुक अपील करते हुए कहा कि ईश्वर की सच्ची इबादत असहायों की मदद करना ही है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घरों की छतों और बालकोनी में पक्षियों के लिए दाना-पानी जरूर रखें।ग्रामीणों की प्रतिक्रियाः स्थानीय निवासियों ने लांबा के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर किया गया यह सामाजिक सरोकार समाज के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

शाहपुरा में गौ सम्मान रैली, 'गौ माता को राष्ट्रमाता' घोषित करने की उठी मांग, एसडीएम को सौंपे 4 ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा शहर में सोमवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत भव्य रैली निकालकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महलों का चैक से शुरू हुई रैली त्रिमूर्ति स्मारक होते हुए ैक्ड कार्यालय पहुंची, जहां प्रदर्शन कर गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग उठाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में गौभक्त, संत-महंत, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रैली में शामिल लोग हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर चल रहे थे, जिन पर 'गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करो' और 'गौ संरक्षण हमारा धर्म' जैसे नारे लिखे हुए थे। पूरे मार्ग में गौ माता के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। रैली के ैक्ड कार्यालय पहुंचने पर प्रदर्शन किया गया और प्रशासन के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार तक अपनी मांग पहुंचाई गई।

इस अवसर पर शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा और जिला प्रचारक रामेश्वरलाल धाकड़ के नेतृत्व में एसडीएम सुनील मीणा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के चार सेट राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए हैं, जिनमें गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है।

विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि देशभर में गौभक्तों और सनातन धर्मावलंबियों की यह भावनात्मक मांग है कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए। उन्होंने बताया कि वे इस विषय में प्रधानमंत्री को पत्र भी लिख चुके हैं और आगामी विधानसभा सत्र में भी इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

जिला प्रचारक रामेश्वरलाल धाकड़ ने कहा कि गौवंश भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते गौ संरक्षण को लेकर ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

कार्यक्रम में विभिन्न मंदिरों के पुजारी, संत समाज, गौसेवा समितियों के पदाधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्र के सैकड़ों गौभक्त शामिल हुए। आयोजन के दौरान अनुशासन और शांति बनाए रखते हुए अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाया गया।

गौरतलब है कि देश के विभिन्न हिस्सों में गौ संरक्षण और सम्मान को लेकर समय-समय पर इस प्रकार के अभियान चलाए जाते रहे हैं। शाहपुरा में आयोजित यह रैली भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करना है।

समर्पण संस्था की जनरल बॉडी मीटिंग सम्पन्न

डॉ. दौलत राम माल्या तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने

स्मार्ट हलचल

जयपुर। सामाजिक कार्यो में लगातार 16 वर्षो से मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था के पंजीकृत सदस्यों की जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन समर्पण आश्रय केयर भवन, सांभरिया रोड, सिंदौली में किया गया। बैठक सेवानिवृत्त आईआरएस डॉ. डी. आर. रेवाला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

संस्था के मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त कर्नल एस एस शेखावत चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे। मीटिंग की शुरुआत कवि श्री राम लाल रोशन द्वारा प्रस्तुत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई।

निर्विरोध निर्वाचनः माल्या पुनः अध्यक्ष बने

चुनाव अधिकारी कर्नल एस एस शेखावत ने तीन वर्षीय कार्यकारिणी पुनर्गठन के लिए अध्यक्ष पद हेतु नाम प्रस्ताव का आग्रह किया। संस्था के संरक्षक सदस्य रमेश कुमार बैरवा ने डॉ. दौलत राम माल्या के नेतृत्व में किए गए सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए पुनः डॉ. माल्या के नाम का प्रस्ताव रखा। इसका समर्थन सम्मानीय सदस्य रामावतार नागरवाल ने किया।

उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से डॉ. दौलत राम माल्या को पुनः 3 वर्ष के लिए अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया और प्रबंध कार्यकारिणी गठित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का प्रणः

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. माल्या ने संस्था सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए समर्पित भाव से सेवा करने का प्रण लिया।

पोस्टर विमोचनः

इस अवसर पर संस्था के एजुकेशनल एम्बेसेडर अभियान, जरूरतमंद विद्यार्थियों के आवेदन और समर्पण आश्रय केयर भवन के पोस्टरों का विमोचन भी किया गया। मंच संचालन योगाचार्य योगी मनीष विजयवर्गीय ने किया।

खेत में लगी आग से लाखों का नुकसान

बेगूं। उपखंड क्षेत्र के पीपली खेड़ा में एक खेत में अज्ञात कारणों से आग लग जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया।

जानकारी के अनुसार पीपली खेड़ा निवासी गोपाल, ज्ञानचंद, मांगी लाल धाकड़ किसी रिश्तेदारी में कार्यक्रम में गए हुए थे। अज्ञात कारणों से खेत में आग लगने की जानकारी घर पर मौजूद महिलाओं द्वारा खेत के मालिक को फोन पर दी गई। जिस पर खेत के मालिक ने मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया और फायर ब्रिगेड को भी फोन किया गया। लेकिन फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंच पाई। आग बुझाने से पूर्व ही मौके पर खड़े एक ट्रैक्टर के दोनों टायर जल गए और आधा ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके साथ ही आम के तीन पेड़ जलकर राख हो गए। आग के कारण थ्री फेस की पानी की मोटर, मवेशियों के लिए रखा हुआ भूसा आदि जल गया। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद मवेशियों को बाड़े से बाहर निकाला। अगर परिजन मौके पर नहीं पहुंचते तो मवेशी जलकर मर जाते। इतना ही नहीं समय रहते आग पर काबू पा लिया गया नहीं तो पास ही पेट्रोल पंप होने के कारण बड़र हादसा हो सकता था।

जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष का शक्ति प्रदर्शनः ब्यावर के कार्यकर्ताओं ने श्री नितिन नवीन का किया भव्य अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के जयपुर आगमन पर आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में उत्सव जैसा माहौल रहा। उनके स्वागत के लिए ब्यावर से भाजपा कार्यकर्ताओं का एक विशाल प्रतिनिधिमंडल विशेष रूप से जयपुर पहुँचा, जहाँ उन्होंने संगठन के प्रति अपनी अटूट निष्ठा प्रदर्शित की।

प्रमुख उपस्थिति एवं नेतृत्व

ब्यावर के कार्यकर्ताओं का यह दल निवर्तमान सभापति एवं नीति शोध प्रमुख नरेश कनोजिया के नेतृत्व में जयपुर पहुँचा। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निहाल चंद मेघवाल की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित इस भव्य स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया।

पुष्पवर्षा और जयकारों से गूँजा परिसर

कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्प-गुच्छ भेंट किए और पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। इस अवसर पर संगठन की मजबूती और आगामी चुनावी चुनौतियों को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने श्री नितिन नवीन जी से आगामी योजनाओं पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल मुख्य सदस्यः

संगठन पदाधिकारीः महामंत्री एससी मोर्चा (राजस्थान) मुकेश गर्ग। ब्यावर से प्रमुख कार्यकताः रवि टांक, दुष्यंत रावत, गजेंद्र रावत, ललित कुमार, प्रमोद कुमार, ब्रज राज भाटी, जीतेन्द्र सेन, आदित्य जोधावत, त्रिलोक सेन, सुरेंद्र सिंह, राम सिंह रामु, खैमराज, जगदीश भाटी और ओम जेदीया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता।

कार्यकर्ताओं का संकल्प

इस दौरान नरेश कनोजिया ने कहा कि ब्यावर का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और रीति-नीति को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आगामी चुनावों में ब्यावर क्षेत्र से भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

गौमाता के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, संतों के सानिध्य में जोबनेर बना गौभक्ति का केंद्र

जोबनेर में गौ सम्मान की ऐतिहासिक हुंकार, 51 हजार हस्ताक्षरों के साथ एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

जोबनेर। गौमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान को समर्पित एक भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन सोमवार को जोबनेर में संपन्न हुआ। प्रदेशव्यापी गौ सम्मान जनजागरण अभियान के तहत जोबनेर ने अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कराते हुए जनसमर्थन, श्रद्धा और संकल्प का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। पूज्य संत श्री श्री 1008 श्री हीरा पुरी महाराज (जयरामपुरी तपोस्थली, डूंगरी कला) एवं संत श्री कृपा राम जी कालख बांध के पावन सानिध्य में आयोजित इस विराट कार्यक्रम में हजारों गौभक्तों, मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत गौमाता पूजन से हुआ। श्रद्धालुओं ने गौमाता के चरणों में पुष्प अर्पित कर अपनी आस्था, श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया। इसके पश्चात संतों ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधनों से जनसमूह में नई चेतना, ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

पूज्य श्री हीरा पुरी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, धर्म और जीवन मूल्यों की आधारशिला हैं। जहां गौमाता का सम्मान होता है, वहां सुख, समृद्धि, शांति और धर्म का वास होता है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि गौमाता को राष्ट्र स्तर पर सर्वोच्च सम्मान दिलाने के लिए सभी को एकजुट होकर इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देना चाहिए।

संत श्री कृपा राम जी ने गौमाता को धरती का चलता-फिरता तीर्थ बताते हुए कहा कि गौसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं और गौसंरक्षण से बढ़कर कोई पुण्य नहीं। उनके प्रेरक विचारों ने उपस्थित श्रद्धालुओं में गौसेवा के प्रति नई ऊर्जा और समर्पण का भाव जागृत किया।

इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि पिछले डेढ़ माह से चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत जोबनेर तहसील क्षेत्र से 51 हजार से अधिक हस्ताक्षर एकत्रित किए गए। यह अभूतपूर्व जनसमर्थन गौमाता के प्रति समाज की अटूट आस्था और समर्पण का सशक्त प्रमाण है।

कार्यक्रम के अंतर्गत जैन गुरुकुल, रेनवाल रोड, जोबनेर से गौमाता की आकर्षक सजीव झांकी के साथ एक विशाल रैली निकाली गई। बैंड-बाजों, रामधुन और जयघोषों के बीच निकली यह अनुशासित एवं शांतिपूर्ण रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर रैली का भव्य स्वागत किया। भीषण गर्मी के बावजूद गौभक्तों का उत्साह और समर्पण देखते ही बन रहा था।

रैली के समापन पर सभी गौभक्त एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां जोबनेर की उपखंड अधिकारी नेहा राठी को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के साथ 51 हजार हस्ताक्षरों का संकलन भी प्रस्तुत किया गया।

उपखंड अधिकारी नेहा राठी ने सभी की भावनाओं का सम्मान करते हुए आश्वासन दिया कि यह ज्ञापन शीघ्र ही संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने गौमाता के संरक्षण, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी मांगों पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया।

प्रदेशभर में गौ सम्मान को लेकर चल रहा यह अभियान अब एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। विभिन्न स्थानों पर गौभक्त पदयात्राएं निकाल रहे हैं, ज्ञापन सौंप रहे हैं, रैलियां आयोजित कर रहे हैं तथा गौमाता के सम्मान के लिए जनजागरण का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। जोबनेर का यह आयोजन इसी जनआंदोलन की एक प्रेरणादायक, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय कड़ी बन गया है।

गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग, गौरक्षकों ने निकाली रैली

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। कस्बे में सोमवार को गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर तहसील क्षेत्र के गौरक्षक व गौरक्षा दलों ने पीर संज्यनाथ आसण के पीर विवेक नाथ महाराज के सानिध्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एसडीएम दिनेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान गौरक्षकों ने पुरुषोत्तम दास आश्रम से मुख्य बाजार होते हुए एसडीएम कार्यालय तक रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने गौमाता के जयकारों के साथ नगर में जनजागरण करते हुए सरकार से गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की। इस मौके पर मोनी बाबा, भगत कालू भैया, सुरज्ञानी योगी, कृष्णदास महाराज, रोहिताश सैनी, रामकिशन बाज्या, बजरंग सैनी, रोशन लाल सैनी, सुनील सराधना, सुमेर सिंह, संजू पटेल, मनोहर लाल योगी सहित बड़ी संख्या में गौरक्षा दल के सदस्य मौजूद रहे।

अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर में लगातार जल रहा एक दीपक

रायगढ़ जिले के कोल्हापुर में महड़ गांव में है अष्टविनायक तीर्थ का चौथा मंदिर वरदविनायक श्री गणेश मंदिर जहां सालों से एक दीप लगातार जल रहा है। अष्ट विनायक में चौथे गणेश हैं श्री वरदविनायक। यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कोल्हापुर क्षेत्र में एक सुन्दर पर्वतीय गांव है महड़। इसी गांव में श्री वरदविनायक मंदिर स्थित है। यहां प्रचलित मान्यता के अनुसार वरदविनायक भक्तों की सभी कामनों को पूरा होने का वरदान प्रदान करते हैं। इस मंदिर में नंददीप नाम का एक दीपक है जो 1892 से लगातार प्रज्जवलित है। वरदविनायक का नाम लेने मात्र से ही सारी कामनाओं को पूरा होने का वरदान प्राप्त होता है। इस मंदिर में माघी चतुर्थी पर विशेष पूजा होती है। इसके अतिरिक्त भाद्रपद की गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक भी विशेष उत्सव होता है जिसे देखने भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

मंदिर से जुड़ी कहानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक संतानहीन राजा था। अपने दुख के निवारण के लिए वो ऋषि विश्वामित्र की शरण में गया और सलाह मांगी। ऋषि ने उसे श्री गणेश के एकाक्षरी मंत्र का जाप करने के लिए कहा। राजा ने ऐसा ही किया और भक्ति भाव गजानन की पूजा करते हुए उनके मंत्र का जाप किया। मंत्र के प्रभाव और गणपति के आर्शिवाद से उसका रुक्मांगद नाम का सुंदर पुत्र हुआ जो अत्यंत धर्मनिष्ठ भी था। युवा होने पर एक बार शिकार के दौरान जंगल में घूमते हुए रुक्मांगद, ऋषि वाचक्नवी के आश्रम में पहुंचा। यहां ऋषि की पत्नी मुकुंदा राजकुमार के पुरुषोचित सौंदर्य को देख कर उस पर मोहित हो गई और उससे प्रणय याचना की। धर्म के मार्ग पर चलने वाले रुक्मांगद ने इसे अस्वीकार कर दिया और तुरंत आश्रम से चला गया। दूसरी ओर ऋषि पत्नी उसके प्रेम में पागल जैसी हो गई। उसकी अवस्था के बारे में जान कर देवराज इंद्र ने इसका लाभ उठाने के लिए रुक्मांगद का भेष धारण कर मुकुंदा से प्रेम संबंध बनाये, जिससे वो गर्भवती हो गई। कुछ समय बाद उसने ग्रिसमाद नामक पुत्र को जन्म दिया। युवा होने पर अपने जन्म की कहानी जान कर इस पुत्र ने मुकुंदा को श्राप दिया कि वो कांटेदार जंगली बेर की झाड़ी बन जाये। इस पर मुकुंदा ने भी अपने बेटे को श्राप दिया कि वो एक क्रूर राक्षस का पिता बनेगा। उसी समय एक आकाशवाणी से पता चला कि मुंकुदा की संतान का पिता वास्तव में इंद्र है। दोनों माता और पुत्र अत्यंत लज्जित हुए और मुकुंदा एक कांटेदार झाड़ी में बदल गई जबकि उसका पुत्र पुष्पक वन में जाकर श्री गणेश की तपस्या करने लगा। बाद में प्रसन्न हो गणेश जी ने उसे त्रिलोकविजयी संतान का पिता बनने और एक वर मांगने का आर्शिवाद दिया। तब ग्रिसमाद ने कहा कि वे स्वयं यहां विराजमान हों और प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूर्ण करें। इसके बाद उसने भद्रका नाम से प्रसिद्ध स्थान पर मंदिर का निर्माण किया और श्री गणेश यहां वरदविनायक के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

मंदिर का स्थापत्य

वर्तमान वरदविनायक मंदिर के बारे में कहा जाता है की इसका निर्माण 1725 में सूबेदार रामजी महादेव बिवलकर ने करवाया था। मंदिर का परिसर सुंदर तालाब के एक किनारे बना हुआ है। ये पूर्व मुखी अष्टविनायक मंदिर पूरे महाराष्ट्र में काफी प्रसिद्ध है। यहां गणपति के साथ उनकी पत्नियों रिद्धि और सिद्धि की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मंदिर के चारों तरफ चार हाथियों की प्रतिमायें बनाई गई हैं। मंदिर के ऊपर 25 फीट ऊंचा स्वर्ण शिखर निर्मित है। इसके नदी तट के उत्तरी भाग पर गौमुख है। मंदिर के पश्चिम में एक पवित्र तालाब बना है। मंदिर में एक मुषिका, नवग्रहों के देवताओं की मूर्तियां और एक शिवलिंग भी स्थापित है। अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर के गर्भगृह में भी श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति है।

भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं भगवान श्रीनाथजी

नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन कमी न हो।

उस समय श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव

जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं।

मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है।

सावधान ! कहीं आपका झाड़ू-पोछा ही तो नहीं बन रहा गरीबी का कारण?

वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी-बड़ी वस्तु का संबंध ऊर्जा से होता है। झाड़ू और पोछा, जिन्हें हम सफाई का साधन मात्र समझते हैं, वास्तव में वे माता लक्ष्मी का प्रतीक माने गए हैं। यदि इन्हें गलत समय या गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह घर की सुख-समृद्धि को छीनकर दरिद्रता ला सकते हैं। तो आइए जानते हैं झाड़ू-पोछे से जुड़े वो वास्तु नियम, जिन्हें नजरअंदाज करना आपको भारी पड़ सकता है।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाना

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद या शाम के समय झाड़ू लगाना 'लक्ष्मी को घर से बाहर निकालने' के समान है।

कारण : माना जाता है कि शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का होता है। उस समय घर से गंदगी बाहर निकालने के चक्कर में हम घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी बाहर कर देते हैं।

उपाय : यदि मजबूरी में झाड़ू लगानी भी पड़े, तो कूड़ा घर के

बाहर न फेंकें, उसे एक कोने में इकट्ठा कर दें और सुबह बाहर निकालें।

झाड़ू को रखने का सही तरीका और दिशा

जैसे हम अपने धन या कीमती गहनों को छिपाकर रखते हैं, वैसे ही झाड़ू को भी छिपाकर रखना चाहिए।

छिपाकर रखें : झाड़ू पर किसी बाहरी व्यक्ति या मेहमान की नजर नहीं पड़नी चाहिए। इससे घर की बरकत कम होती है।

लेटाकर रखें : झाड़ू को कभी भी खड़ा करके नहीं रखना चाहिए। खड़ी झाड़ू घर में 'कलह' और 'तनाव' का कारण बनती है। इसे हमेशा लेटाकर रखें।

सही दिशा : झाड़ू रखने के लिए घर का दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम कोना सबसे शुभ माना जाता है। इसे कभी भी उत्तर-पूर्व में न रखें।

पोछा लगाने के गुप्त नियम

पोछा केवल फर्श साफ नहीं करता, बल्कि घर की नकारात्मकता को भी सोखता है।

नमक का उपाय : हफ्ते में कम से कम एक बार पोछे के पानी में सेंधा नमक जरूर मिलाएं। नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में जादुई काम करता है।

गुरुवार को पोछा न लगाएं : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरुवार को पोछा लगाने से घर के 'ईशान कोण' और गुरु ग्रह पर बुरा असर पड़ता है, जिससे धन हानि हो सकती है।

टूटी हुई झाड़ू का उपयोग न करें

अक्सर लोग झाड़ू के टूटने के बावजूद उसे इस्तेमाल करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र में टूटी हुई झाड़ू दरिद्रता का सीधा संकेत है। यह घर में आर्थिक तंगी और मानसिक अशांति पैदा करती है। जैसे ही झाड़ू खराब हो, उसे तुरंत बदल देना चाहिए।

झाड़ू का अपमान न करें

झाड़ू को पैर मारना, उसे लांघना या उसके ऊपर पैर रखना माता लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। ऐसा करने से घर के मुखिया पर कर्ज बढ़ता है और आय के स्रोत घटने लगते हैं।

रात में सिंक में जूठे बर्तन छोड़ते हैं?

रसोई की ये छोटी सी लापरवाही रोक सकती है पूरे घर की बरकत

क्या आप भी रात में किचन के जूठे बर्तन सिंक में छोड़कर सो जाते हैं? वास्तु कहता है कि यह आदत सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि घर की सुख-समृद्धि पर असर डालती है। रात में गंदे बर्तन छोड़ने से नकारात्मकता और धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, अगर आप रसोई में साफ-सफाई और वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे न सिर्फ सुख-शांति आती है, बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर रात के समय रसोई के सिंक में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत माना जाता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में किचन को गंदा छोड़ना या सिंक में जूठे बर्तन रखना अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां लक्ष्मी की कृपा कम हो सकती है। इसका असर आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है।

अगर बर्तन धोना संभव न हो तो क्या करें

अगर किसी कारण से रात में बर्तन साफ करना संभव न हो, तो कम से कम उनमें पानी डालकर जरूर रखें। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव कुछ हद तक कम हो जाता है। हालांकि इसे रोज की आदत बनाना ठीक नहीं माना जाता।

रसोई से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में पानी और आग से जुड़ी चीजों को पास-पास नहीं रखना चाहिए। सिंक और गैस चूल्हे के बीच दूरी बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होती है।

छोटी गलतियां जो बनती हैं बड़ी परेशानी

किचन में चाकू-छुरी जैसी नुकीली चीजों को खुला नहीं रखना चाहिए। इन्हें हमेशा ढककर या ऐसी जगह रखें जहां सीधी नजर न पड़े। साथ ही रसोई में साफ-सफाई और हवा-रोशनी का अच्छा इंतजाम होना चाहिए।

क्या चीजें तुरंत हटानी चाहिए

रसोई में गंदे कपड़े, टूटे बर्तन या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान रखना अशुभ माना जाता है। ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं और घर की सुख-शांति पर असर डाल सकती हैं।

क्या गलत दिशा में सिर रखकर सोना बन रहा है आपकी थकान की वजह?

गहरी नींद के चमत्कारी वास्तु नियम

आज के बदलते लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी में रात को भरपूर नींद लेने के बाद भी सुबह उठकर कई लोग थकान और भारीपन का अनुभव करते हैं। अक्सर हम इसे खराब आदतों अथवा गलत खान-पान का नतीजा मान लेते हैं। वास्तु विद्वानों के अनुसार, सुकून भरी नींद न आना अथवा हर समय थकान अनुभव होते रहने का एक बड़ा कारण आपके सोने की गलत दिशा भी हो सकती है। वास्तु विज्ञान में सोते समय सिरहाने की दिशा का बहुत महत्व है। इससे व्यक्ति के मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं कहीं गलत दिशा में सिर रखकर सोना आपकी थकान की वजह तो नहीं बन रहा। वास्तु अनुसार किस दिशा में सिर रखकर सोएं-

दक्षिण दिशा :

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, गहरी नींद और लंबी उम्र का राज दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना है। यह दिशा सबसे अधिक लाभकारी और शुभ मानी गई है। इस दिशा में सोना स्थिरता और शक्ति का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी देखें तो इस दिशा में सिर रखने से शरीर का चुंबकीय संतुलन पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सही बैठता है, जिससे रक्त संचार सुचारु रुप से होता है। जिससे गहरी व तनावमुक्त नींद का अनुभव किया जा सकता है।

पूर्व दिशा :

अगर आप मानसिक शांति और एकाग्रता चाहते हैं तो पूर्व दिशा की ओर सिर करके सोना आपके लिए सर्वोत्तम विकल्प है। विद्यार्थियों और विचारकों के लिए तो यह दिशा किसी वरदान से कम नहीं है। शास्त्रों में पूर्व दिशा सकारात्मकता और ज्ञान की दिशा मानी गई है। जिन्हें मानसिक दबाव, डिप्रेशन, एंजाइटी अथवा भूलने की समस्या है, उनके लिए इस दिशा में सोना लाभकारी है। यह डायरेक्शन सोचने-समझने की क्षमता और फोकस को बढ़ावा देती है।

भूलकर भी उत्तर दिशा में न रखें सिर :

वास्तु नियमों के अनुसार, उत्तर दिशा में कभी भी सिर रखकर नहीं सोना चाहिए। किंवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि उत्तर दिशा की ओर सिर करने से शरीर और धरती के चुंबकीय क्षेत्र के मध्य असंतुलन पैदा होता है। जिससे नींद और जागृत अवस्था इंबैलेंस हो जाती है। तभी तो नींद में बार-बार रुकावट, रेस्टलेसनेस, सिर में दर्द और सुबह उठने पर भारीपन जैसी प्रॉब्लम होती हैं।

छोटी आदत, बड़ा बदलाव :

कई बार जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे बदलाव, जीवन में बड़ा परिवर्तन ले आते हैं। उसी तरह सोने की दिशा में भी ऊपर दिया गया यह मामूली बदलाव आपकी लाइफ में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाएगा। जब आप यहां बताए गए वास्तु नियमों का पालन करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको एहसास होगा की आपकी नींद की गुणवत्ता पहले से बेहतर हो गई है। साथ ही मानसिक शांति और शरीर में ऊर्जा का स्तर भी काफी बेहतर हुआ है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850!Email.smarthalchalnews@gmail.com